



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



O
C
M
Y
B

वर्ष -12 अंक - 148

प्रयागराज, शुक्रवार 25 सितम्बर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

ईरान बोला-फिर हमला हुआ तो युद्ध हिंद महासागर तक फैलेगा, इसका प्रभाव भारत-चीन पर होगा, समुद्र में तनाव बढ़ा तो तेल लाने वाले जहाज भी फंसेंगे

तेहरान। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका या इजराइल ने उस पर दोबारा हमला किया, तो पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध हिंद महासागर तक फैल सकता है। एएफपी के मुताबिक, ईरान के सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई के सलाहकार याह्या रहीम सफावी ने गुरुवार को कहा कि संघर्ष पहले ही फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट से निकलकर लाल सागर तक फैल चुका है। अगर दोबारा हमला हुआ तो युद्ध का दायरा और बढ़ सकता है। अगर ऐसा होता है तो इससे भारत और चीन जैसे बड़े तेल आयातक देशों पर बड़ा असर पड़ सकता है। हिंद महासागर यूरोप, पश्चिम एशिया को एशियाई देशों से जोड़ने के लिए बेहद अहम है। समुद्र में तनाव बढ़ने से पश्चिम एशिया से तेल लाने वाले जहाजों पर हमलों की आशंका बढ़ जाएगी। दावा- मार्च में हिंद महासागर तक पहुंचा था युद्ध- ईरान के मुताबिक, इस साल मार्च



अमेरिका के हमले में ईरान का युद्धपोत आईआरआईएस देना डूब गया था। यह घटना श्रीलंका के तट के पास हुई थी। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरानी फ्रिगेट श्रीलंका के गाले शहर से करीब 19 नॉटिकल मील दूर डूबा था। यह जगह श्रीलंका के विशेष आर्थिक

क्षेत्र यानी ईईजेड में आती है। यूएन में ट्रम्प पर भड़वें

कि ईरान अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुकेगा। यूएन महासभा में अपने भाषण के दौरान पञ्जाबियान ने कहा कि धमकियों से ईरान का इरादा और मजबूत होगा। हालांकि, उन्होंने युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत का रास्ता खुला रखने की बात भी कही। ट्रम्प ने कहा- समझौता करो या तबाह कर देंगे- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने यूएन महासभा ईरान को एक बार फिर से तबाह करने की धमकी दी है।

मंगलवार को यूएन में अपने भाषण में उन्होंने कहा- 'अमेरिका के पास दो रास्ते हैं- ईरान के साथ समझौता करना या उसे खत्म कर देना।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने यूरोपीय देशों को बताया था कि ईरान बैलिस्टिक मिसाइलों की आड़ में परमाणु बम बना रहा था।

जब दूसरे नेता केवल इंतजार कर रहे थे, तब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ कार्रवाई कर उसे रोका। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

इस्लामाबाद में इमरान समर्थकों का मार्च रोकने 2,000 कंटेनर लगाए, हाईवे बंद- बुलडोजर-क्रेन लेकर रास्ता खोलने पहुंचेंगे पीटीआई कार्यकर्ता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान करीब 3 साल से जेल में बंद हैं। उनकी रिहाई के लिए पीटीआई ने 27 सितंबर को देशभर में मार्च का ऐलान किया है। इससे पहले इस्लामाबाद में प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। हाईवे बंद किए जा रहे हैं। करीब 2 हजार कंटेनर सड़कों पर लगाए गए हैं। पंजाब और सिंध से 20 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी बुलाए गए हैं। सरकार ने रैलियों, जुलूस और सार्वजनिक सभाओं पर 2 महीने के लिए रोक लगा दी है। दूसरी तरफ पीटीआई ने भी रास्ते में लगाए जाने वाले कंटेनरों को हटाने की तैयारी शुरू कर दी है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक बुलडोजर और क्रेन जैसे भारी वाहन जुटा रहे हैं। इन्हें इस्लामाबाद ले जाने की तैयारी है। इस्लामाबाद में धारा 144 लागू, 5 से ज्यादा लोगों के

जुटने पर रोक-इस्लामाबाद में धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके तहत 5 या उससे ज्यादा

भी लगाए गए हैं। पुलिस के मुताबिक इस्लामाबाद-पेशावर मोटरवे, इस्लामाबाद-डेरार



लोगों के एक जगह जुटने पर रोक है। रैली, जुलूस और प्रदर्शन भी नहीं हो सके। शहर के कई हिस्सों में कंटेनरों को वेंलिंग करके जोड़ा गया है। कुछ कंटेनरों के बाहर लोहे के कीले

इस्माइल खान मोटरवे और रॉड ट्रंक रोड को कई जगह बंद किया जाएगा। रावलपिंडी और अटक के कुछ इलाकों में 27 सितंबर को मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं बंद करने की मांग भी की गई

है। सरकार बोली- किसी भी सुरत में मार्च नहीं होने देंगे- गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने पीटीआई नेताओं से मार्च पर दोबारा विचार करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि सरकार इस्लामाबाद की ओर होने वाले मार्च को हर संभव तरीके से रोकेंगी। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान किसी की जान जाने पर आयोजकों को जिम्मेदार ठहराने की चेतावनी भी दी है। पीटीआई ने हालांकि अपना कार्यक्रम रद्द नहीं किया है।

पार्टी का कहना है कि इमरान खान की रिहाई के लिए मार्च किया जाएगा। पीटीआई नेता इसे 2024 के प्रदर्शन से बड़ा बनाने की तैयारी में हैं। हाईकोर्ट ने कहा- सड़कों और सरकारी इमारतों पर कब्जा नहीं कर सकते-इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 14 सितंबर को पीटीआई के मार्च से जुड़े मामलों में अहम निर्देश दिए थे। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

पाक ने अफगान के 10 ठिकानों पर की एयरस्ट्राइक, कहा- ड्रोन हमलों का जवाब दिया

काबुल/इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने गुरुवार को अफगानिस्तान में 10 ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तराई ने कहा कि ये हमले अफगानिस्तान से एक दिन पहले हुए ड्रोन हमलों के जवाब में किए गए हैं। तारुड के मुताबिक, इन 10 जगहों का इस्तेमाल ड्रोन लॉन्च करने और उन्हें रखने के लिए किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि इन ठिकानों की पहचान की गई और सटीक तरीके से हमलों को अंजाम दिया गया। अफगानिस्तान



तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीदुल्लाह मुजाहिद ने बुधवार को कहा था कि हमारे सुरक्षा बलों ने कोई हमला नहीं किया। पाक का आरोप- टीटीपी के आतंकियों ने हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे टीटीपी नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था। टीटीपी का मानना है कि पाकिस्तान सरकार सच्चा इस्लाम नहीं मानती है, इसलिए वो उसके खिलाफ हमला करता है। टीटीपी का अफगान तालिबान के साथ गहरा जुड़ाव है। दोनों समूह एक-दूसरे को समर्थन देते हैं। 2021 में अफगान तालिबान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान ने टीटीपी को निशाना बनाकर अफगानिस्तान में हमले किए। 3 दिन पहले भी हुई थी एयरस्ट्राइक-सोमवार को पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में एयरस्ट्राइक की थी। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने दावा किया था कि इसमें 28 आतंकी मारे गए। वहीं, अफगान अधिकारियों ने कहा था कि हमलों में कम से कम 3 नागरिकों की मौत हुई और 4 घायल हुए।

घुसपैठ की कोशिश की-पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों ने पक्किया और नंगरहार से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश की। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इसे नाकाम कर दिया। इसके बाद अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से गोलाबारी की। जवाब में पाकिस्तान ने तालिबान की चौकियों और मोर्टार ठिकानों पर तोपों से हमला किया। पाकिस्तान टीटीपी को 'फिक्ता-उल-खवारिज' कहता है। टीटीपी और

घुसपैठ की कोशिश की-पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों ने पक्किया और नंगरहार से पाकिस्तान में घुसने की कोशिश की। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने इसे नाकाम कर दिया। इसके बाद अफगान तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से गोलाबारी की। जवाब में पाकिस्तान ने तालिबान की चौकियों और मोर्टार ठिकानों पर तोपों से हमला किया। पाकिस्तान टीटीपी को 'फिक्ता-उल-खवारिज' कहता है। टीटीपी और

अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट के पाटर्स ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका के बजाए हांगकांग पहुंचे, चीन के हाथ लगे-इसे रडार पर पकड़ना मुश्किल

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट एफ-35 के कुछ पाटर्स चीन के हाथ लग गए हैं। ये पाटर्स ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका भेजे जा रहे थे, लेकिन रास्ते में इनकी खेप हांगकांग पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के पास पहुंचे सामान में एफ-35 की कॉम्पिट कैंनेपी और हथियार रखने वाले हिस्से का दरवाजा शामिल है। पेंटागन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एफ-35 जॉइंट प्रोग्राम ऑफिस ने कहा है कि वह अमेरिकी अधिकारियों और इंडस्ट्री पार्टनर्स के साथ मिलकर इन पाटर्स को वापस लाने



मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने भी पाटर्स के हांगकांग पहुंचने की पुष्टि की है। हालांकि, उनका कहना है कि ये संवेदनशील उपकरण नहीं हैं। ऑस्ट्रेलिया इस मामले में अमेरिका और एफ-35 बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन के संपर्क में है।

चीन के हाथ एफ-35 की तकनीक लगी तो क्या होगा? एफ-35 में स्टेलथ तकनीक, एडवांस्ड रडार और सेंसर जैसे कई सिस्टम हैं। इनकी जानकारी किसी देश को मिलना अमेरिका के लिए चिंता की बात हो सकती है। 1. चीन एफ-35 को रडार पर पकड़ने का तरीका समझ सकता है-एफ-35 की खासियत उसकी स्टेलथ तकनीक है। इससे विमान को रडार पर पकड़ना मुश्किल होता है। अगर चीन को इसकी जानकारी मिलती है, तो वह एफ-35 को पहचानने वाले रडार विकसित करने में इसका इस्तेमाल

कर सकता है। 2. एफ-35 के सेंसर और रडार की जानकारी मिल सकती है-एफ-35 के सेंसर आसपास के इलाके और दुश्मन की गतिविधियों की जानकारी जुटाते हैं। इन सिस्टम की तकनीक मिलने पर चीन यह समझ सकता है कि एफ-35 कैसे जानकारी जुटाता और दूसरे सैन्य सिस्टम से साझा करता है। 3. चीन एफ-35 के खिलाफ हथियार और डिफेंस सिस्टम बेहतर कर सकता है- एफ-35 की क्षमताओं और आर्र कमजोरियों की जानकारी मिलने पर चीन अपने रडार, मिसाइल और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम को बेहतर कर सकता है। इससे वह एफ-35 को पहचानने और ट्रैक करने की क्षमता बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। 4. अमेरिकी की सैन्य बढ़त पर असर पड़ सकता है- एफ-35 सिर्फ अमेरिका के पास नहीं हैं। उसके कई सहयोगी देश भी इसका इस्तेमाल करते हैं। अगर इसकी संवेदनशील तकनीक लीक होती है, तो अमेरिका को अपने सॉफ्टवेयर, सेंसर और दूसरे सिस्टम अपडेट करने पड़ सकते हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

जेलेंस्की बोले- रूस भारतीयों को बहका के जंग में भेज रहा, 47 देशों के नागरिकों को भर्ती किया, जंग में भारत के 51 लोगों की मौत

वॉशिंगटन डीसी। यूक्रेन के



राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को यूएन महासभा में कहा कि रूस 47 देशों के नागरिकों को बहला-फुसलाकर अपनी सेना में भर्ती कर रहा है। इनमें भारत के लोग भी शामिल हैं। जेलेंस्की ने कहा कि इन देशों के नागरिकों को धोखे से रूस लाया गया और बाद में युद्ध के मैदान में भेज दिया। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, रूसी सेना में 227 भारतीय नागरिक भर्ती हुए थे। इनमें से 139 को रूसी सेना से छुड़ी मिल चुकी है, जबकि 51 की मौत हुई है। भारत सरकार बाकी नागरिकों की वापसी के लिए रूस से बातचीत कर रही है। जेलेंस्की बोले- पुतिन ज्यादा जमीन कब्जाना चाहते हैं-जेलेंस्की ने कहा कि रूस ज्यादा से ज्यादा लोगों को युद्ध में उतारकर यूक्रेन में अपनी पकड़ बढ़ाना चाहता है। उन्होंने दूसरे देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने और उसकी युद्ध क्षमता कम करने की अपील की। जेलेंस्की ने रूस की कमाई पर रोक लगाने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि युद्ध रोकने के लिए रूस को आर्थिक रूप से

कमजोर करना होगा। उन्होंने भारत, चीन और तुर्किये से रूस के साथ ऊर्जा कारोबार कम करने की अपील की। उनके मुताबिक, अगर ये देश रूस से ऊर्जा खरीद कम करते हैं तो रूस को पर युद्ध रोकने का दबाव बढ़ेगा। उत्तर कोरिया पर रूस की मदद करने का आरोप-जेलेंस्की ने उत्तर कोरिया पर भी रूस की मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रूस की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। जेलेंस्की का दावा है कि इसके बदले उत्तर कोरिया को आधुनिक सैन्य तकनीक मिल रही है। इसमें बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन तकनीक से जुड़ी मदद भी शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन ने दो उत्तर कोरियाई युद्धबंदियों को दक्षिण कोरिया भेजा है। उनके मुताबिक, दोनों सैनिकों को जिंदा पकड़ना आसान नहीं था।

सर्दियों में रूस की ऊर्जा सुविधाओं पर हमले की चेतावनी-जेलेंस्की ने चेतावनी दी कि अगर रूस यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर हमले जारी रखता है तो यूक्रेन भी रूस की हीटिंग और ऊर्जा सुविधाओं को निशाना बना सकता है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका रूस और यूक्रेन के बीच ऊर्जा सुविधाओं पर हमले रोकने को लेकर समझौता कराने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कहा है कि अमेरिका ऐसे हमलों रोकने के लिए समझौते की कोशिश कर रहा है।

जिनपिंग बोले- अमेरिका और चीन आपस में भिड़ने से बचें, एआई पर इंसान का काबू रहना जरूरी

वॉशिंगटन डीसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग गुरुवार सुबह अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट गए और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का स्वागत किया। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन के हित एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। वहीं, जिनपिंग ने अमेरिका और चीन के बीच टकराव से बचने की अपील की है। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बातचीत शुरू हो गई है। इसमें एआई का मुद्दा सबसे अहम है। जिनपिंग ने एआई को लेकर कहा कि इसका नियंत्रण हमेशा इंसानों के हाथ में रहना चाहिए। आज रात जिनपिंग के सम्मान में स्टेट डिनर का आयोजन किया जाएगा। ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर जिनपिंग को रिसीव करने

एयरपोर्ट गए-चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग गुरुवार सुबह अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज एयरपोर्ट गए और उनकी पत्नी पेंग लियुआन का स्वागत किया। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन के हित एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। वहीं, जिनपिंग ने अमेरिका और चीन के बीच टकराव से बचने की अपील की है। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बातचीत शुरू हो गई है। इसमें एआई का मुद्दा सबसे अहम है। जिनपिंग ने एआई को लेकर कहा कि इसका नियंत्रण हमेशा इंसानों के हाथ में रहना चाहिए। आज रात जिनपिंग के सम्मान में स्टेट डिनर का आयोजन किया जाएगा। ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर जिनपिंग को रिसीव करने

कोर्ट ने ट्रम्प का फैसला 6 दिन बाद ही बदला, सीएनएन समेत 3 मीडिया हाउस की व्हाइट हाउस में एंट्री पर बैन हटाया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी

ने कहा था कि एंट्री एक्सेस हटाने से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं दिया गया। ट्रम्प के



दिया। उन्होंने 18 सितंबर को सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको को व्हाइट हाउस से बैन करने का ऐलान किया था। ट्रम्प के फैसले पर 14 दिनों के लिए अस्थायी रोक लगाते हुए अमेरिकी फेडरल जस्टिमीथी केली ने कहा कि मीडिया पर लगाया गया बैन अमेरिकी संविधान के अखिलाफ हो सकता है। तीनों मीडिया संस्थानों ने ट्रम्प के फैसले के खिलाफ कोर्ट में अपील की थी। अब इन तीनों मीडिया संस्थानों के पत्रकारों को फिर से व्हाइट हाउस में एंट्री मिल सकेगी। मीडिया संस्थानों ने कहा- बैन से पहले अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला-तीनों मीडिया संस्थानों

ऐलान के बाद जब सीएनएन के पत्रकार व्हाइट हाउस पहुंचे तो उनका मीडिया पास काम नहीं कर रहा था। सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको ने कोर्ट में कहा था कि ट्रम्प का बैन लगाने का फैसला उनके फर्स्ट अमेंडमेंट अधिकारों का उल्लंघन करता है। अमेरिकी संविधान का फर्स्ट अमेंडमेंट अभिव्यक्ति और प्रेस की आजादी की सुरक्षा करता है। मीडिया संस्थानों पर गोपनीय जानकारी लीक करने का आरोप-फैसले के बचाव में ट्रम्प प्रशासन ने कोर्ट में राष्ट्रीय सुरक्षा का हवाला दिया था। उसका कहना था कि सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको की कुछ खबरों में गलत

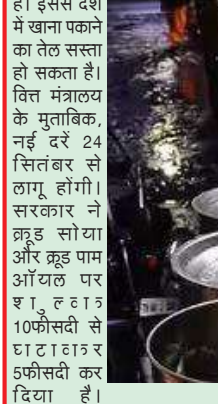
जानकारी के साथ संवेदनशील और गोपनीय जानकारी भी लीक हुई। प्रशासन ने सीएनएन की व्हाइट हाउस के नीचे बने बंकर से जुड़ी रिपोर्ट एमएस नाउ की ईरान युद्ध में अमेरिकी हथियारों की कमी वाली रिपोर्ट और पॉलिटिको की व्हाइट हाउस के बॉलरूम की फंडिंग से जुड़ी रिपोर्ट का उदाहरण दिया था। ट्रम्प पहले भी मीडिया पर सवाल उठाते रहे हैं-ट्रम्प 2016 से सीएनएन की रिपोर्टिंग को लगातार 'फेक न्यूज' कहते रहे हैं। उनके कार्यकाल में पहले भी सीएनएन के पत्रकारों का व्हाइट हाउस पास रोका जा चुका है। ट्रम्प ने न्यूयॉर्क टाइम्स और वॉल स्ट्रीट जर्नल जैसे बड़े अखबारों पर भी उनके खिलाफ पक्षपात करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इन मीडिया संस्थानों की रिपोर्टिंग पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाए और आरोप लगाया कि ये संस्थान गलत नीयत से उनके खिलाफ खबरें प्रकाशित करते हैं। व्हाइट हाउस ने ट्रम्प टीवी शुरू किया-सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के पत्रकारों पर बैन के बाद अमेरिका ने ट्रम्प टीवी शुरू किया-सीएनएन, एमएस नाउ और पॉलिटिको के पत्रकारों पर बैन के बाद अमेरिका ने ट्रम्प टीवी चैनलों ने ट्रम्प के कार्यक्रमों की साझा लाइव कवरेज बंद कर दी थी। इसके बाद व्हाइट हाउस ने अपनी ऑनलाइन वीडियो फीड शुरू की, जिसका नाम 'ट्रम्प टीवी' रखा था।

खाने का तेल होगा सस्ता, नई कीमतें लागू, सूरजमुखी तेल पर अब कस्टम ड्यूटी नहीं, सोया-पाम ऑयल पर 5फीसदी घटाया

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार

कटौतियों से खाद्य तेलों की आयात लागत कम होने की उम्मीद

बिस्कुट और दाबों में सबसे ज्यादा यही इस्तेमाल होता है।



सोयाबीन तेल: यह हल्का और सस्ता होने के कारण भारतीय घरों की रसोई में रोजाना के खाना पकाने के लिए सबसे लोकप्रिय है। सरसों का तेल: उत्तर और पूर्वी भारत की पकड़, जो अपने तीखे स्वाद और स्वास्थ्य गुणों के कारण जाना जाता है। सूरजमुखी का तेल: यह पचने में हल्का माना जाता है, इसलिए शहरी घरों में सेहत के प्रति जागरूक लोग इसका खूब इस्तेमाल करते हैं।मूंगफली का तेल: गुजरात और दक्षिण भारत में मुख्य रूप से इस्तेमाल होने वाला यह तेल पकौड़े या डीप-फ्राइंग जैसी चीजों के लिए बेहतरीन है।

रिफाईंड सोया और रिफाईंड पाम ऑयल पर ड्यूटी 32.5फीसदी से घटाकर 27.5फीसदी की गई है। क्रूड सूरजमुखी तेल पर शुल्क 10फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया गया है। रिफाईंड ऑयल पर भी ड्यूटी घटी-रिफाईंड सूरजमुखी तेल पर कस्टम ड्यूटी 32.5फीसदी से घटाकर 22.5फीसदी कर दी गई है। इन

हैं। इससे ग्राहकों को कीमतों में राहत मिल सकती है। हालांकि, ग्राहकों को मिलने वाली राहत इस बात पर निर्भर करेगी कि सफाई चैन में ड्यूटी कटौती का फायदा किस तरह आगे पहुंचाया जाता है। भारत में पाम, सरसों और मूंगफली के तेल का इस्तेमाल-पाम तेल: यह सबसे सस्ता होता है, इसलिए बाहर के खाने, नमकीन,

के कारण जाना जाता है। सूरजमुखी का तेल: यह पचने में हल्का माना जाता है, इसलिए शहरी घरों में सेहत के प्रति जागरूक लोग इसका खूब इस्तेमाल करते हैं।मूंगफली का तेल: गुजरात और दक्षिण भारत में मुख्य रूप से इस्तेमाल होने वाला यह तेल पकौड़े या डीप-फ्राइंग जैसी चीजों के लिए बेहतरीन है।

कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पांडे ने ग्राम सभा भीख व बैरीहार में मिनी सचिवालय व तीन इंटरलॉकिंग सड़कों का किया लोकार्पण, सर्वांगीण विकास से जुड़ने के रास्ते तेजी से बढ़ चला। मनोज कुमार पांडे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लाइट सहित आवश्यक मूलभूत मेरा अपना है। क्षेत्र के लोगों ने ऊंचाहार/रायबरेली। उत्तर प्रदेश सुविधाओं को मजबूत करने के जो विश्वास और स्नेह मुझे दिया



सरकार की खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पांडे ने आज विकासखंड जगतपुर की ग्राम सभा भीख में नवनिर्मित मिनी सचिवालय एवं तीन इंटरलॉकिंग सड़कों एवं बेरी हार में नवनिर्मित सड़क का लोकार्पण कर ग्रामवासियों को समर्पित किया। इस अवसर पर बोलते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में से है। गांव में सड़क शिक्षा स्वास्थ्य पेयजल व

लिए लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। मिनी सचिवालय के माध्यम से ग्रामवासियों को पंचायत से संबंधित कार्य एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं स्थानीय स्तर पर प्राप्त करने में सहूलियत होगी। मार्गों के निर्माण हो जाने से ग्रामवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री ने कहा की ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र का प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार

है, उस विश्वास पर खरा उतरते हुए गांव-गांव तक विकास पहुंचाना मेरी जिम्मेदारी है। विकास कार्यों में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जुगुन यादव, प्रधान रमेश मिश्रा, प्रधान दीपू सिंह, अमरेश सिंह मुन्ना, मंडल अध्यक्ष के. के. पटेल, प्रधान शिवनारायण सिंह, प्रधान सुरेश पासी, राम प्रसाद पासी, राजेंद्र पटेल सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जलभराव से मोहल्लेवासी परेशान, डेंगू-मलेरिया का बढ़ा खतरा, शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ समस्या का समाधान, गंदे पानी से आवागमन में दिक्कत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बहराना स्थित



सुंदरम गेस्ट हाउस के पीछे पानी की टंकी के पास मां शारदा अस्पताल एवं भगवती अस्पताल वाली सड़क पर बरसात के बाद लंबे समय से गंदा पानी जमा होने से मोहल्लेवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जलभराव के कारण लोगों का आवागमन

को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव और गंदगी के कारण क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। इससे मलेरिया, डेंगू समेत अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। आरोप है कि समस्या की जानकारी मिलने

के लिए परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से तत्काल जल निकासी की व्यवस्था कराने, सड़क की सफाई कराने और मच्छररोधी दवा का छिड़काव कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में बीमारी फैलने की आशंका को रोका जा सके।

भारी वर्षा, तेज हवाओं एवं वट्कापात की संभावना को लेकर जिला प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से सतर्कता बताने एवं सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित

के प्रभाव आधारित पूर्वानुमान के अनुसार जनपद सोनभद्र में 24

बांधों, खनन क्षेत्रों, निचले इलाकों एवं जलभराव वाले स्थानों पर जाने से बचें। मौसमी



गौड़ ने अवगत कराया है कि भारत मौसम विज्ञान विभाग, लखनऊ द्वारा 24 सितम्बर 2026 को जारी मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनी के अनुसार गहन अवदाब के प्रभाव से प्रदेश में 24 से 27 सितम्बर के दौरान वर्षा की गतिविधियों में वृद्धि होने की संभावना है। विशेष रूप से 25 एवं 26 सितम्बर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा के साथ तेज सवही हवाओं एवं वट्कापात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग

सितम्बर से 25 सितम्बर की सुबह तक भारी वर्षा, तेज झोकदार हवाओं तथा मेघगर्जन/ वट्कापात की संभावना है। वहीं 25 से 26 सितम्बर के दौरान भी भारी वर्षा तथा 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाओं के झोंके चलने की संभावना जताई गई है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि मौसम खराब होने की स्थिति में अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें। विशेष रूप से नदियों, नालों, झरनों, जलाशयों,

कम होने एवं फिसलन बढ़ने की स्थिति में वाहन चालक गति नियंत्रित रखें तथा जलमग्न सड़कों, पुलों एवं तेज बहाव वाले स्थानों से वाहन चलावने का प्रयास न करें। जिला प्रशासन एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सोनभद्र ने जनपदवासियों से अपील की है कि मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों एवं प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करें, सतर्क रहें, सुरक्षित स्थान पर रहें तथा नदी-नाले, झरने एवं अन्य जलस्रोतों के पास जाने से बचें।

विशेष विधिक जागरूकता शिविर(पाक्सो) व गाँधी जयन्ती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की सफलता हेतु आयोजित हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को उत्तर

25 सितम्बर से 01 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले

को पाक्सो अधिनियम, बाल अधिकारों एवं उनकी सुरक्षा के



प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ तथा मा0 अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश, रायबरेली अमित पाल सिंह के निर्देशानुसार एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिशा के दिशा-निर्देशन में गांधी जयंती 02 अक्टूबर 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष पाक्सो जागरूकता अभियान तथा विभिन्न कार्यक्रमों की सफलता हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष पाक्सो जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद के विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए जाने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों को अभियान के माध्यम से बच्चों

प्रति जागरूक किए जाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में विशेष न्यायाधीश पाक्सो-प्रथम रामनेत, अपर जिला जज अशुमान पटनायक, पल्लवी प्रकाश, अनुपम शौर्य, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह एवं जिला सूचना अधिकारी कौशलेन्द्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम की अध्यक्षता में आईजीआरएस की समीक्षा बैठक सम्पन्न, आईजीआरएस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण कराया जाए सुनिश्चित-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बुधवार को

कहा कि शिकायत के निस्तारण के संबंध में स्पष्ट एवं गुणवत्तापूर्ण

गुणवत्ता का आकलन फीडबैक के माध्यम से किया जाता है,



जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस (समन्वित शिकायत निवारण प्रणाली) की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों, उनके निस्तारण की स्थिति तथा निस्तारण के उपरांत प्राप्त फीडबैक की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से असंतुष्ट फीडबैक वाले प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में केवल औपचारिकता न बरती जाए, बल्कि प्रत्येक प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण, तथ्यपरक एवं संतोषजनक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने

आख्या पोर्टल पर अपलोड की जाए, जिससे शिकायतकर्ता को की गई कार्यवाही की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आईजीआरएस के प्रकरणों की नियमित रूप से समीक्षा करते हुए उनका समयसीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही के कारण प्रकरण डिफॉल्टर श्रेणी में न जाने पाए, इससे लिए संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी विशेष सतर्कता बरतें। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि जिन शिकायतकर्ताओं द्वारा निस्तारण के उपरांत संतुष्टि व्यक्त की गई है, उनका फीडबैक अनिवार्य रूप से दर्ज कराया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण की

इसलिए संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ता से समन्वय स्थापित करते हुए वास्तविक स्थिति सुनिश्चित करें। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि आईजीआरएस के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक प्रकरण में जिम्मेदारी के साथ कार्यवाही की जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अंजुलता, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) सहदेव मिश्र, उप जिलाधिकारी सारा अशरफ, उपायुक्त श्रम रोजगार प्रमोद सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी विनय सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शहीद स्मारक में योगाभ्यास से गुंजा स्वास्थ्य का संदेश, साढ़े पांच वर्षों से निरंतर निःशुल्क योग सेवा दे रहा मिशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मातृभूमि सेवा मिशन

को विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया।

ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में सहभागिता की। मिशन के



रायबरेली इकाई की ओर से शहीद स्मारक प्रांगण में गुरुवार को प्रातः 5:30 बजे दैनिक

शिविर में सूर्य नमस्कार, ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वट्कासन,

संरक्षण महामंत्री देवेंद्र नाथ मिश्रा ने कहा कि नियमित योग व्यक्त की दिनचर्या में अनुशासन और सक्रियता लाने का प्रभावी माध्यम है। मातृभूमि सेवा मिशन का उद्देश्य योग को जन-जन तक पहुंचाना और लोगों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने बताया कि मिशन रायबरेली में पिछले साढ़े पांच वर्षों से अधिक समय से शहीद स्मारक प्रांगण में प्रतिदिन निःशुल्क योग सेवा संचालित कर रहा है। शिविर में रश्मि पांडे, आराध्या, राकेश, अरविंद, रिकू सिंह, आंचल, माया देवी, दिनेश पांडे, दिनेश मिश्रा, रोहित, शिवचंद्र पांडे, राजकुमार साहू सहित अन्य



निःशुल्क योग शिविर आयोजित किया गया। योग प्रशिक्षक अनूप शर्मा एवं डॉ. सचिन ने साधकों

पवनमुक्तासन, अनुलोम-विलोम एवं शवासन सहित विभिन्न योगाभ्यास कराए गए। साधकों

12 दिवसीय गणपति महोत्सव के दसवें दिन विधिपूर्वक गणेश जी का पूजन सम्पन्न हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। बाबा जगमोहनेश्वर धाम, चंदापुर मंदिर रायबरेली में प्राण प्रतिष्ठित 12 दिवसीय

शुक्ला ने बताया कि भगवान विष्णु के प्रमुख 10 अवतारों में पांचवा अवतार वामन भगवान का हुआ था, जिन्होंने राजा बलि के



गणपति महोत्सव के दसवें दिन आज दिनांक 23 सितंबर 2026 दिन बुधवार को प्रातः 9:00 बजे गणपति भगवान का पूजन अर्चन सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम गणेश जी को दूध, दही, घी, शहद, शंकर एवं पंचामृत से स्नान कराया गया। इसके बाद 108 फूलों की कमल की माला, दूर्वा की माला, एवं 108 हल्दी की माला समर्पित की गई। आचार्य पंडित अभिषेक मिश्रा द्वारा 51 घड़ाननवृत्त मयूरेश स्तोत्र का पाठ संपन्न किया गया। मुख्य यजमान महेश सिकरिया, कृष्णकांत त्रिपाठी, शिखर दीक्षित, राहुल, मंदू शुक्ला, श्रीमती शिशिर शुक्ला, किरण, रुपेश, अमित सिंह, आंसू जोशी उपस्थित थे। इससे बाद गणेश जी की सामूहिक आरती संपन्न की गई। भक्तों को मोदक, लड्डू, केला, एवं कढ़ी चावल प्रसाद का वितरण किया गया। पं. मंदू

अभिमान को नष्ट करने के लिए तीन पग जमीन मांगी थी जिसमें दो पग में पूरा ब्रह्मांड नाप लिया था और तीसरा पग राजा बलि के सिर पर रखा था। भाद्र शुक्लपक्ष की द्वादशी तिथि पर भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था। भगवान जगन्नाथ जी के दरबार में उत्तर दिशा में वामन भगवान विराजित हैं उपस्थित सभी भक्तों ने वामन भगवान को पुष्प समर्पित किया और जोरदार जयकारा लगाया। संपूर्ण व्यवस्था प्रभारी धर्मेश श्रीवास्तव ने बताया कि यह नवा गणपति महोत्सव बाबा के दरबार में संपन्न हो रहा है, जो 14 सितंबर को भाद्र शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर प्रारंभ हुआ था और दिनांक 25 सितंबर 2026 भाद्र शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी दिन शुक्रवार की प्रातः तक रहेगा। इसके बाद प्रातः काल हवन पूजन के बाद गणेश जी का विसर्जन किया जाएगा

एनपीएस एवं साइबर जागरूकता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सादर अवगत

एवं अन्य योजनाओं आदि की जानकारी दी गई। साइबर



कराना है कि आज दिनांक 23.09.2026 को 42वें वाहिनी पीएसी नैनी प्रयागराज के सभागार में सेनानायक महोदय श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव(आईपीएस) के कुशल निर्देशन में साइबर अपराध से सुरक्षा जागरूकता एवं एनपीएस संबंधी कार्यक्रम आयोजित किया गया। एनपीएस से होने वाले लाभ, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुलिस बल से संबंधित लाभार्थ बीमा योजनाओं, पुलिस परिवार के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी

अपराध से जुड़ी विभिन्न घटनाओं जैसे हैकिंग, फिशिंग, पहचान की चोरी और वित्तीय धोखाधड़ी, जिनका मकसद पैसा, जानकारी चुराना या डिजिटल सिस्टम को नुकसान पहुंचाना आदि के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में सहायक सेनानायक श्री देवनारायण यादव, दलनायक श्री बृजेश कुमार सरोज, सुबेदार मेजर श्री सुभांशु कुमार, सहायक शिविरपाल श्री हरदास एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नगर पंचायत सलोन अध्यक्ष पद उप निर्वाचन के लिए प्रेक्षक नियुक्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) सरनीत कौर ब्रोका ने बताया है कि राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश की अधिसूचना के क्रम में जनपद रायबरेली की नगर पंचायत सलोन के अध्यक्ष पद के रिक्त पद पर, यदि मा0 न्यायालय के किसी स्थगन आदेश से बाधित न हो, उप निर्वाचन माह सितम्बर-अक्टूबर 2026 की निर्धारित समय-सारणी के अनुसार कराया जाना है। उन्होंने बताया कि उप निर्वाचन के अन्तर्गत प्रतीक आवंटन के उपरान्त विरोध निर्वाचन की स्थिति में 13 अक्टूबर 2026 को निर्धारित मतदान केन्द्रों/स्थलों पर मतदान तथा 15 अक्टूबर 2026 को तहसील मुख्यालय सलोन में चिन्हित स्थान पर मतगणना कराई जाएगी। उक्त उप निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में आयुक्त महोदय, लखनऊ मण्डल, लखनऊ के द्वारा

रत्नाकर सिंह, संयुक्त आयुक्त एवं निबन्धक, सहकारिता, लखनऊ मण्डल, लखनऊ को प्रेक्षक नियुक्त किया गया है। नामित प्रेक्षक मतदान से एक दिन पूर्व जनपद में पहुंचकर मतदान एवं मतगणना संबंधी प्रेक्षकीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे। जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी ने उप निर्वाचन को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आदेश से बाधित न हो, उप निर्वाचन माह सितम्बर-अक्टूबर 2026 की निर्धारित समय-सारणी के अनुसार कराया जाना है। उन्होंने बताया कि उप निर्वाचन के अन्तर्गत प्रतीक आवंटन के उपरान्त विरोध निर्वाचन की स्थिति में 13 अक्टूबर 2026 को निर्धारित मतदान केन्द्रों/स्थलों पर मतदान तथा 15 अक्टूबर 2026 को तहसील मुख्यालय सलोन में चिन्हित स्थान पर मतगणना कराई जाएगी। उक्त उप निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में आयुक्त महोदय, लखनऊ मण्डल, लखनऊ के द्वारा

भोग लगाया जाता है तथा 14-15 गौठ की रक्षा सूर्य पौले रंग की गाँथ में पक्की जाती है। दिनांक 25 सितंबर को प्रातः 9:00 बजे गणपत भगवान का पूजन अर्चना होगा गणपत अर्थशर्षा की पाद स्पर्श होगा तथा सामूहिक हवन 11:00 से प्रारंभ होगा जो 12:00 बजे तक चलेगा 12:00 बजे गणेश जी की आरती अर्पण प्रसाद का वितरण होगा इसके बाद व्यवस्था से हुए रथ पर गणेश जी सवार होंगे आरं चंदपुर मंदिर से सुबह सुपर माईट, कैपरांज, खोयास मंदी होते हुए बस स्टेशन का प्रस्थान रोड होते हुए राजघाट को प्रस्थान करेगी। जहां पर होना गाड़ों की सप्ता गणपत भगवान का विसर्जन होगा। कार्यक्रम व्यवस्था पर प्रभारी धर्मश्री वास्तव ने बताया कि नित्य प्रातः काल 4:00 बजे आरं रात 9:30 बजे बाबा की शयन आरती संभो हो रही है सभी भक्तों से अनुरोध है कृपया बाबा के दरबार में पहुंच कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

हज-2027 के चयनित यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग अनिवार्य, 30 सितंबर तक ऑनलाइन अपलोड करना होगा मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र सरकारी चिकित्सा केंद्रों पर होगी स्वास्थ्य जांच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) परीक्षण कराना होगा। जांच के सोनभद्र। जिला अल्पसंख्यक उपरांत एलोपैथिक चिकित्सक



कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने बताया कि हज-2027 के चयनित यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण-पत्र के संबंध में हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा संकुल-13, दिनांक 15 सितंबर 2026 जारी किया गया है। चयनित यात्रियों को प्रथम चरण में सरकारी चिकित्सा केंद्र पर स्वास्थ्य

द्वारा निर्धारित प्रारूप पर मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि चयनित हज यात्रियों को मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र, अग्रिम जमा धनराशि की रसीद एवं अन्य आवश्यक अभिलेख 30 सितंबर 2026 तक हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर

ऑनलाइन अपलोड करने होंगे। इसके अतिरिक्त आवश्यक दस्तावेज 01 अक्टूबर 2026 तक उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों व मुख्य चिकित्साधिकारियों को हज यात्रियों की मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। विदेशों में निवास कर रहे एनआरआई हज यात्री संबंधित देश के सरकारी चिकित्सालय में मेडिकल स्क्रीनिंग कराकर आवश्यक रिपोर्ट निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रेषित अथवा अपलोड करेंगे।

उन्होंने सभी चयनित यात्रियों से निर्धारित समयसीमा में मेडिकल जांच पूर्ण कर प्रमाण-पत्र एवं जांच रिपोर्ट सुरक्षित रखने की अपील की, ताकि द्वितीय चरण की मेडिकल जांच के समय आवश्यकता पड़ने पर इन्हें प्रस्तुत किया जा सके।

धान की फसल को कीट एवं रोगों से बचाने के लिए नियमित निगरानी करें किसान, तना बेधक, फुदका व विभिन्न रोगों से बचाव के लिए कृषि रक्षा विभाग ने जारी की सलाह

कीट-रोग के लक्षण दिखते ही अपनाएं नियंत्रण उपाय, सुरक्षित रखें धान की फसल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला कृषि रक्षा अधिकारी वीरेन्द्र कुमार ने



अवगत कराया कि किसान भाई धान की फसल में लगने वाले कीट एवं रोगों से बचाव हेतु नियमित रूप से फसल की निगरानी करें। कीट अथवा रोग के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल अनुशासित नियंत्रण उपाय अपनाकर धान की फसल को क्षति से बचाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि तना बेधक कीट के नियंत्रण हेतु 5 फेरोमोन ट्रैप प्रति हेक्टेयर प्रयोग करें। इसके अतिरिक्त बाईफेन्थिन 10 प्रतिशत ईसी 500 मिलीलीटर, कार्बोफेन्थ्रॉस 3 जी 20 किलोग्राम, कार्टोपि हाइड्रोक्लोराइड 4 जी 18 किलोग्राम, क्लोरेन्ट्रानिलिप्रोल 18.5 प्रतिशत एससी 150 मिलीलीटर अथवा फ्लुबेन्डियामाइड 20 प्रतिशत डब्ल्यूजी 125 ग्राम में से किसी एक का निर्धारित मात्रा में प्रयोग करें। हरा, भूरा एवं सफेद फुदका के नियंत्रण हेतु एसिटामिप्रिड 20 प्रतिशत एसपी 100 ग्राम, कार्बोफेन्थ्रॉस 3 जी 20 किलोग्राम, फिप्रोनिनिल 0.3 जी 20 किलोग्राम, इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत 125 मिलीलीटर, थायामेथोक्सेम 25 प्रतिशत डब्ल्यूजी 100 ग्राम अथवा क्लोरपायरीफास 25 प्रतिशत ईसी 1.5 लीटर प्रति

झोंका रोग एवं भूरा धब्बा रोग के नियंत्रण हेतु कृषि रक्षा अधिकारी ने अनुशासित फफूंदनाशकों का निर्धारित मात्रा में 500-750 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करने की सलाह दी। इनमें कार्बेण्डाजिम, थायोफिनेट मिथाइल, हेक्साकोनाजोल, प्रोपीकोनाजोल, मैकोजेब तथा एजोक्सीस्ट्रोबिन व डिफेनोकोनाजोल आदि रसायन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जीवाणु झुलसा एवं जीवाणुधारी झुलसा वगैरह नियंत्रण हेतु स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट 90 प्रतिशत व टेट्रासाइक्लीन हाइड्रोक्लोराइड 10 प्रतिशत 15 ग्राम को कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 प्रतिशत डब्ल्यूजी 500 ग्राम के साथ मिलाकर प्रति हेक्टेयर 500-750 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने किसानों से अपील की कि रसायनों का प्रयोग अनुशासित मात्रा एवं विधि के अनुसार ही करें तथा फसल में कीट अथवा रोग के लक्षण दिखाई देने पर कृषि विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों से आवश्यक सलाह प्राप्त करें।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना की संशोधित समय-सारिणी जारी, छात्रवृत्ति योजना-नवीनीकरण आवेदन 15 अक्टूबर तक, संस्थानों को सत्यापन के लिए निर्धारित हुई समय-सीमा

दशमोत्तर छात्रवृत्ति के आवेदन की तिथियां संशोधित, 31 अक्टूबर तक कर सकेंगे नवीन छात्र आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2026-27 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति

संशोधित समय-सारिणी जारी की गई है। संशोधित समय-सारिणी के अनुसार शिक्षण संस्थानों द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने की कार्यवाही 26 सितम्बर

हार्दकोपी संस्थान में जमा करने की अवधि 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। नवीन छात्र-छात्राओं द्वारा ऑनलाइन आवेदन 15 सितम्बर से 31 अक्टूबर 2026 तक किया जा सकेगा। शिक्षण संस्थान द्वारा नवीन एवं नवीनीकरण आवेदनों का ऑनलाइन सत्यापन एवं अग्रसारण निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार किया जाएगा। विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा नवीन छात्रों का सत्यापन तथा आपत्र छात्र, पाठ्यक्रम एवं संस्था को ब्लॉक करने की कार्यवाही 25 नवम्बर 2026 तक पूरी की जाएगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा छात्र-छात्राओं एवं संबंधित शिक्षण संस्थानों से अपील की गई है कि निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए छात्रवृत्ति से संबंधित सभी कार्यवाहियां समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।



योजनान्तर्गत उच्च कक्षाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान हेतु

2026 तक तथा विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा फीस आदि का सत्यापन 27 सितम्बर 2026 तक किया जाएगा। छात्र-छात्राओं द्वारा नवीनीकरण आवेदन ऑनलाइन करने एवं

दो दोषियों को 5-5 वर्ष की कठोर कैद, 3-3 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी, जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी

साढ़े 12 वर्ष पूर्व लाठी- डंडे से मारपीट कर गम्भीर चोट पहुंचाने का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। साढ़े 12 वर्ष पूर्व आने जाने के विवाद में लाठी-डंडे से मारपीट कर गम्भीर चोट पहुंचाने के मामले में वृहत्सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दो दोषियों संतोष मौर्य व सोनू मौर्य को 5-5 वर्ष का कठोर कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 3-3 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक रामसूरत मौर्य निवासी मधुपुर (कोइलहिया), थाना रॉबर्टसगंज, जिला सोनभद्र ने रॉबर्टसगंज थाने में दी मौखिक तहरीर में आरोप लगाया था कि 25 जनवरी 2014 को जब वह गांव के संतोष

मौर्य व सोनू मौर्य के घर के सामने से जा रहा था तभी आने जाने के विवाद में संतोष मौर्य व सोनू मौर्य अनायास गाली देने लगे। जब उसने कहा कि एक ही रास्ता है तो कहां से जाएं इतना सुनते ही दोनों उसे लाठी डंडे से मारने पीटने लगे, जिससे उसे कान, आंख के पास व सीने में गम्भीर चोटें आईं। गांव के लोगों की मदद से दवा इलाज के लिए जिला अस्पताल लोढ़ी ले जाया गया। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर लिया। 27 जनवरी को पुलिस ने जिला अस्पताल में रामसूरत मौर्य का डॉक्टरों जांच व मेडिकल कराया। कोर्ट के आदेश पर मामले की विवेचना की गई। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर गम्भीर चोट लगने की वजह से धारा 308 आईपीसी की बढोतरी करते हुए

संतोष मौर्य व सोनू मौर्य के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्तगणों के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषियों संतोष मौर्य व सोनू मौर्य को 5-5 वर्ष का कठोर कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 3-3 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर 3-3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी पड़ेगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेंसी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480





श्री महन्तू

अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज

स्पोर्ट्स

भारतीय टेनिस खिलाड़ी परिक्षित सोमानी पर 4 साल का बैन,डोप टेस्ट में ट्रिमेटाजिडाइन मिला,दिया- दूषित खाने की दलील

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय टेनिस खिलाड़ी परिक्षित सोमानी पर एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट के दौरान डोप टेस्ट हुआ था। उनके सैपल सदस्य की दवा से खाना दूषित हुआ-परिक्षित ने फरवरी 2026



डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन के कारण 4 साल का बैन लगाया गया है। इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआई) के इंडिपेंडेंट ट्रिब्यूनल ने उन्हें प्रतिबंधित पदार्थ ट्रिमेटाजिडाइन पाए जाने के मामले में दोषी माना है। ट्रिब्यूनल ने खाने के दूषित होने की उनकी दलील को खारिज कर दिया। 26 साल के परिक्षित का 31 जुलाई 2025 को कजाकिस्तान के अस्ताना में हुए

में प्रतिबंधित पदार्थ ट्रिमेटाजिडाइन पाया गया था। इसके बाद उन्हें 23 सितंबर 2025 को प्रोविजनल सस्पेंड किया गया। 22 सितंबर 2029 तक नहीं खेल पाएंगे-परिक्षित को प्रोविजनल सस्पेंशन के दौरान बताया गया समय 4 साल के बैन में शामिल किया गया है। इसलिए उनका सस्पेंशन 22 सितंबर 2029 को खत्म होगा। परिक्षित ने कहा- परिवार के

में अपनी सफाई में कहा था कि उन्होंने परिवार के एक सदस्य द्वारा बनाया खाना खाया था। उनका दावा था कि खाना बनाते समय उस सदस्य की दवा गलती से भोजन में मिल गई थी। इसी वजह से ट्रिमेटाजिडाइन उनके शरीर में पहुंचा। 19 अगस्त 2026 को इंडिपेंडेंट ट्रिब्यूनल के सामने हुई सुनवाई में परिक्षित ने इसी दलील को अपना आधार बनाया। ट्रिब्यूनल ने दलील को

खारिज किया-आईटीआई और परिक्षित की ओर से पेश किए गए वैज्ञानिक विशेषज्ञों की राय पर विचार करने के बाद ट्रिब्यूनल ने फूड-कंटैमिनेशन की थ्योरी को वैज्ञानिक रूप से अविश्वसनीय, बेहद अटकलों पर आधारित और भरोसे के लायक नहीं माना। ट्रिब्यूनल ने कहा कि परिक्षित अपने सैपल में मिले प्रतिबंधित पदार्थ का सोर्स स्थापित नहीं कर सके। इसलिए उन्हें सजा में किसी तरह की राहत देने वाली परिस्थिति लागू नहीं होती। बैन के दौरान खेलने और कोचिंग पर रोक-सस्पेंशन के दौरान परिक्षित-किसी भी आधिकारिक टेनिस इवेंट में नहीं खेल सकेंगे। किसी खिलाड़ी को कोचिंग नहीं दे सकेंगे। देर जाह-हरे, डब्यूटीए, एटीपी, ग्रैंड स्लैम या किसी नेशनल एसोसिएशन के आयोजित या मान्यता प्राप्त इवेंट में शामिल नहीं हो सकेंगे। जुलाई 2023 में डबल्स रैंकिंग 256 तक पहुंचे-परिक्षित सोमानी ने जुलाई 2023 में करियर की सर्वश्रेष्ठ डबल्स रैंकिंग 256 हासिल की थी।

उन्होंने एटीपी चैलेंजर सर्किट पर भी खेला है। 4 साल के बैन के कारण अब उनका प्रतिस्पर्धी टेनिस करियर 2029 तक प्रभावित रहेगा।

एशियन गेम्स के 5वें दिन तीसरा मेडल आया, नारूका-धालीवाल स्कीट में नंबर-3 रहे, रोशिबिना को वुशु में सिल्वर, सतनाम-सलमान को रोइंग में ब्रॉन्ज

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय निशानेबाज अनंतजीत सिंह नारूका और परिनाज धालीवाल



की जोड़ी ने भारत को एशियन गेम्स के 5वें दिन का तीसरा मेडल दिलाया। यह जोड़ी शॉटगन के स्कीट मिक्स टीम इवेंट के फाइनल में 48 में से 44 निशाने लगाकर तीसरे स्थान पर रही। यह मौजूदा एशियन गेम्स में शूटिंग का 8वां मेडल है। इनमें 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इस मेडल के सहारे मेडल टेबल में भारत के एक गोल्ड, 6 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज के सहारे 15 मेडल हो गए हैं। वहीं, चीन के पदकों की संख्या 100 पर हो गई है। रोशिबिना को लगातार तीसरे एशियाड में पदक-गुरुवार को रोशिबिना देवी ने वुशु में सिल्वर मेडल हासिल किया। वे महिलाओं के 60किग्रा सांडा इवेंट के फाइनल में चीन की झांग शियाओयू से 0-2 से हार गई। रोशिबिना ने एशियाड में लगातार तीसरा मेडल जीता है। वे ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला वुशु खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने रोइंग में ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। टेबल टेनिस- महिला डबल्स में भारत की दोनों जोड़ियां जीतीं-टेबल टेनिस के विमेंस डबल्स मुकाबलों में भारतीय जोड़ियों ने अपने-अपने मैच जीत लिए हैं। राउंड ऑफ 32 में यशस्विनी घोरपड़े-

श्रेजा अकुला-सिंदेला दास ने मंगोलिया की बोलोर-एर्डेने बतमुनख-बुरेनजर्गल सांजा को 3-0 से हराकर अगले राउंड में जगह बनाई। मेंस हॉकी- भारत ने साउथ कोरिया को 8-2 से हराया-भारतीय पुरुष हॉकी टीम में साउथ कोरिया को 8-2 से हराया। यह भारत की इस टूर्नामेंट में साउथ कोरिया पर सबसे बड़ी जीत है। टीम इंडिया ने पूल ए भारत की लगातार

की टीम पुरुष क्वाड्रपल स्कल्स के फाइनल में 5वें स्थान पर रही। चीन ने गोल्ड मेडल जीता। इंडोनेशिया दूसरे, उज्बेकिस्तान तीसरे और जापान चौथे स्थान पर रहा। शूटिंग- नारूका-तीसरी वरीयता प्राप्त अनाहत ने स्कीट मिक्स टीम में ब्रॉन्ज जीता-अनंतजीत सिंह नारूका और परिनाज धालीवाल ने स्कीट मिक्स टीम में ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में 48 में से 44 निशाने

सिंगल्स में अभय सिंह श्रीलंका के रविंदुलक्षीरी को 2-0 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। वीर चोत्रानी ने मलेशिया के संजय जीवा को 2-1 से हराया। वीर का क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान के इरफान मोहम्मद से होगा। फेंसिंग- भवानी देवी राउंड ऑफ-16 में हार-भारत की सीए भवानी देवी महिला साबरे के राउंड ऑफ-16 में हारकर बाहर हो गई। उन्हें 2026 वर्ल्ड चैंपियनशिप की 'सिल्वर मेडलिस्ट चीन की राओ शुईयी ने 15-5 से हराया। पहले पीरियड में भवानी 2-8 से पीछे थीं। इसके बाद राओ ने बढ़त बनाए रखी और मुकाबला अपने नाम किया। स्वर्णशः अनाहत सिंह ने जीत से शुरुआत की-18 साल की अनाहत सिंह ने स्वर्णशः के महिला सिंगल्स में जीत के साथ अभियान शुरू किया है। उन्होंने सिंगापुर की ऑं पीऑंग वाई इयिन को 3-0 से हराया। तीसरी वरीयता प्राप्त अनाहत ने मुकाबला 11-4, 11-5, 11-7 से जीता। इस जीत के साथ अनाहत क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। एशियन गेम्स के स्वर्णशः चैंपियन को सीधे ओलिंपिक कोटा मिलता है। पुरुष कबड्डी- भारत ने चीनी



तीसरी जीत हासिल की है। टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप पर हैं। रोइंग- पुरुष क्वाड्रपल स्कल्स में

सही लगाए। भारत और साउथ कोरिया का स्कोर बराबर रहा, लेकिन टाई-ब्रेकर के बाद भारत को ब्रॉन्ज से संतोष करना पड़ा।

भारतीय जोड़ी चीन से सिर्फ एक अंक पीछे रही। स्वर्णशः तन्वी खन्ना क्वार्टर फाइनल में, अभय-वीर राउंड ऑफ-16 में पहुंचे- तन्वी खन्ना ने स्वर्णशः के विमेंस सिंगल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने सिंगापुर की वेई खन को 3-1 से हराया। मेंस



ताइपे को 37-21 से हराया- भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे को 37-21 से हराकर ग्रुप स्टेज में लगातार चौथी जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने सभी चारों ग्रुप मैच जीतकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है। मेंस क्रिकेट- अफगानिस्तान ने पहला मैच जीता-एशियाड में मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू हो गया है। पहले मैच में अफगानिस्तान ने मेजबान जापान को 48 रन से हराया। ग्रुप ए के इस मैच में अफगानी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 129 रन बनाए। जवाब में जापान 81 रन पर ऑलआउट हो गई। अरब गुल ने 4 विकेट झटके।

सहजन के पत्ते हैं 'सेहत का खजाना',पाचन रखे दुरुस्त, ब्लड शुगर करे कंट्रोल, डॉक्टर से जानें इसे खाने का सही तरीका

नयी दिल्ली। क्या आपने कभी 'मिरेकल ट्री' यानी जादुई पेड़ के बारे में सुना है? हो सकता है, यह नाम आपके लिए नया हो। लेकिन अगर हम सहजन या मोरिंगा कहें तो शायद आप इसे तुरंत पहचान लें। भारत के

अच्छी मात्रा में होते हैं। सहजन के पत्तों में क्वेरसेटिन और क्लोरोजेनिक एसिड जैसे एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर की सेल्स को नुकसान से बचाते हैं। सहजन के पत्तों की न्यूट्रिशनल वैल्यू:- कैलोरी64,

को हेल्दी रखने में कैसे मददगार होते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- इनमें मौजूद फाइबर शरीर से एक्स्ट्रा कोलेस्ट्रॉल बाहर निकालने में मदद करता है। क्वेरसेटिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट्स ब्लड वेसेल्स में शहद मिला सकते हैं। ताजे पत्तों को केला, बेरीज या अन्य फलों के साथ ब्लेंड करके स्मूदी बना सकते हैं। ताजे पत्तों को खलाद में मिला सकते हैं। सूप, दाल या सांभर में सहजन के पत्ते मिला सकते हैं। सहजन के पत्तों की चटनी बना सकते हैं। आटे में मोरिंगा पाउडर या पत्तों का पेस्ट मिलाकर रोटी-पराठा बना सकते हैं। सवाल- घर पर सहजन के पत्तों का पाउडर कैसे बनाएं? जवाब- घर पर सहजन का पाउडर बनाना आसान है। इसे पॉइंटर्स से समझिए- सहजन के पत्ते तोड़कर अच्छी तरह धो लें। पत्तों को डठल से अलग कर लें। इन्हें हल्की धूप में 2-3 दिन तक अच्छी तरह सुखाएं। पत्ते पूरी तरह सूख जाए तो मिक्सर में पीस लें। पाउडर को छलनी से छान लें। तैयार पाउडर को एयरटाइट डिब्बे में भरकर ठंडी और सूखी जगह पर रखें। ध्यान रखें- पत्तों को तेज धूप में ज्यादा देर सुखाने से कुछ पोषक तत्व कम हो सकते हैं। इसलिए छाया में सुखाना बेहतर है। सवाल- रोज कितना पाउडर खा सकते हैं? जवाब- आमतौर पर स्वस्थ वयस्क के लिए रोज 1-2 चम्मच (करीब 5-10 ग्राम) मोरिंगा पाउडर खाना सुरक्षित है। अगर पहली बार ले रहे हैं तो कम मात्रा से शुरूआत करें। सवाल- किन लोगों को सहजन के पत्ते नहीं खाने चाहिए? जवाब- सहजन के पत्ते ज्यादातर लोगों के लिए सेफ होते हैं। लेकिन कुछ लोगों को इसे सावधानी के साथ डाइट में शामिल करना चाहिए।



कई घरों में इसकी फलियां सब्जी के रूप में खाई जाती हैं। वहीं इसके पत्तों को दुनिया के सबसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों में गिना जाता है। सहजन एक ऐसा पेड़ है, जो कम पानी में भी आसानी से उग जाता है। भारत सहजन का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यहां हर साल करीब 10 से 13 लाख टन सहजन की फलियां पैदा होती हैं। फिलीपींस, श्रीलंका, मलेशिया, इंडोनेशिया और ताइवान जैसे देशों में भी इसकी खेती होती है। अलग-अलग राज्यों में इसे सहजन, शैबगा, मुर्गुई और मुनगाकाया जैसे नामों से जाना जाता है। साल 2024 में साइंस जर्नल 'हेलियो' में पब्लिश एक रिव्यू स्टडी के मुताबिक, सहजन के पत्तों में फ्लेवोनॉयड्स, एल्कलॉइड्स और कैरोटेनॉयड्स जैसे कई बायोएक्टिव कंपाउंड्स होते हैं। इनमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-डायबिटिक, एंटी-इंफ्लेमेटरी और कार्डियोप्रोटेक्टिव गुण होते हैं। यही वजह है कि सहजन को 'मिरेकल ट्री' और इसके पत्तों को 'सुपरफूड' कहा जाता है। इसलिए आज सहजन के हेल्थ बेनिफिट्स की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- इनमें कौन-से पोषक तत्व होते हैं? सहजन के पत्तों को डाइट में कैसे शामिल करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटिशियन, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सहजन के पत्ते विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सिडेंट्स का अच्छा सोर्स हैं। ये सिर्फ पत्ते नहीं, बल्कि प्रकृति की दी औषधि हैं। इन्हें अपने नियमित आहार में शामिल करना सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है। सवाल-सहजन के पत्तों को सुपरफूड क्यों कहा जाता है? जवाब- इनमें

प्रोटीन9.4, फाइबर 02, कार्बोहाइड्रेट 8.3, फैट1.4, 'आयरन' 04 'मिलीग्राम, कैल्शियम 185'मिलीग्राम, मैग्नीशियम 147'मिलीग्राम, विटामिन सी 51.7 मिलीग्राम, विटामिन ए 378 माइक्रोग्राम। नोट- ये वैल्यू 100 ग्राम सहजन के पत्तों की है। सवाल- सहजन के पत्तों के हेल्थ बेनिफिट्स क्या हैं? जवाब- इनमें मौजूद विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर को जरूरी पोषण देते हैं। साथ ही ये कई तरह के हेल्थ रिस्क को

सूजन कम करते हैं। ये एलडीएल (बैड कोलेस्ट्रॉल) के ऑक्सिडेशन को रोकने में मदद करते हैं। ऑक्सिडाइज्ड एलडीएल आर्टरीज में प्लाक जमने का बड़ा कारण होता है। इनमें मौजूद पोटेशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। एंटीऑक्सिडेंट्स ब्लड वेसेल्स को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इससे आर्टरीज लचीली बनी रहती है और ब्लड फ्लो बेहतर होता है।इन सभी प्रभावों के कारण हार्ट डिजीज का रिस्क कम होता है। सवाल- क्या इससे



कम करने में मदद करते हैं। सहजन के पत्तों के हेल्थ बेनिफिट्स:- 01 इम्यूनिटी मजबूत करें। 02 ब्लड शुगर कंट्रोल करें। 03 हार्ट को हेल्दी रखें। 04 हड्डियां मजबूत बनाएं। 05 आंखों की रोशनी बढ़ाएं। 06 पाचन दुरुस्त रखें। 07 शरीर की सूजन कम करें। 08 कमजोरी और थकान दूर करें। 09 सेल्स को डैमेज से बचाएं। 10 एजिंग स्पीड को धीमा करें। सवाल- सहजन के पत्ते ब्लड शुगर कंट्रोल में कैसे मदद करते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- इनमें फाइबर,

बढ़ती उम्र में होने वाले ऑस्टियोपोरोसिस से बचाव में मदद मिलती है? जवाब- सहजन के पत्ते ऑस्टियोपोरोसिस का इलाज नहीं हैं। लेकिन ये हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करते हैं। इनमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, विटामिन के जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो हड्डियों की मजबूती और बोन मिनरल डेंसिटी बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। सवाल- क्या इससे आंखों की रोशनी बेहतर हो सकती है? जवाब- हां, इनमें बीटा-कैरोटीन अच्छी मात्रा में होता है। शरीर

सहजन के पत्ते सेहत का खजाना पर ये लोग बरते थोड़ी सावधानी:- 01 जिन्हें इससे एलर्जी है। 02 जिन्हें बीपी से जुड़ी समस्या है। 03 जिन्हें डायबिटीज है। 04 जिन्हें कोई हेल्थ कंडीशन है। 05 गर्भवती महिलाएं। नोट- डायबिटिक लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है, लेकिन ज्यादा सेवन से शुगर सामान्य से कम हो सकता है।सहजन के पत्ते से जुड़े कुछ कॉमन सवाल-जवाब-सवाल- क्या छोटे बच्चों को सहजन के पत्ते दे सकते हैं? जवाब- हां, इनमें प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम, विटामिन ए और विटामिन सी जैसे कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। यह बच्चों की ग्रोथ में मदद करते हैं। सवाल- क्या सहजन के पत्ते शरीर की कमजोरी और थकान दूर करते हैं? जवाब- अगर थकान खराब खानपान या पोषण की कमी से जुड़ी है, तो नियमित रूप से सहजन के पत्तों का सेवन फायदा पहुंचा सकता है।



विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण इन्हें 'सुपरफूड' कहा जाता है। सवाल- सहजन के पत्तों में कौन-से पोषक तत्व होते हैं? उनकी न्यूट्रिशनल वैल्यू क्या है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- इनमें विटामिन बी, सी, और के साथ बीटा-कैरोटीन भी होता है। इसे शरीर जरूरत के अनुसार विटामिन ए में बदल लेता है। सहजन के पत्ते सेल्स की इंसुलिन के प्रति सेंसिटिविटी बढ़ा सकते हैं। इससे शरीर ग्लूकोज का बेहतर इस्तेमाल कर पाता है। इनमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और इन्फ्लेमेशन को कम करते हैं। इससे टाइप-2 डायबिटीज का रिस्क कम होता है।सवाल- सहजन के पत्ते हार्ट

क्लोरोजेनिक एसिड और आइसोथायोसायनेट्स जैसे तत्व होते हैं। ये शरीर में ब्लड शुगर के मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट करते हैं। इससे भोजन के बाद ब्लड शुगर तेजी से नहीं बढ़ता। सहजन के पत्ते सेल्स की इंसुलिन के प्रति सेंसिटिविटी बढ़ा सकते हैं। इससे शरीर ग्लूकोज का बेहतर इस्तेमाल कर पाता है। इनमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस और इन्फ्लेमेशन को कम करते हैं। इससे टाइप-2 डायबिटीज का रिस्क कम होता है।सवाल- सहजन के पत्ते हार्ट

सवाल- क्या सहजन के पत्ते इम्यूनिटी बढ़ाते हैं? जवाब- सहजन वेग पत्तों में ऐसे एंटीऑक्सिडेंट्स और फांटा बेस्ड कंपाउंड होते हैं, जो इम्यूनिटी को सपोर्ट करते हैं। सवाल- क्या सहजन के पत्ते और सहजन की फलियां (सहजन) समान रूप से पौष्टिक हैं? जवाब- दोनों ही पौष्टिक होते हैं, लेकिन सहजन के पत्तों में आमतौर पर विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन और एंटीऑक्सिडेंट्स की मात्रा ज्यादा होती है। वहीं फलियां फाइबर और कुछ जरूरी पोषक तत्वों का अच्छा सोर्स हैं। सवाल- क्या खाली पेट सहजन के पत्तों का सेवन किया जा सकता है? जवाब- हां, खाली पेट सहजन के पत्तों या मोरिंगा पाउडर का सेवन कर सकते हैं। अगर खाने के बाद असहजता महसूस हो तो इसे भोजन के साथ लेना बेहतर है।

निजता को बनाए रखें और? गोपनीयता पर सजग रहें?

वैसे तो हर व्यक्ति रहस्यमयी है। वह क्या सोच रहा है और आपके साथ उसका क्या व्यवहार है, उग्र बीत जाती है और आप जान नहीं पाते हैं। गहन संबंधों में भी यह बात चलती है। दो शब्द हैं- निजता और गोपनीयता। सबसे निकट का संबंध है पति-पत्नी का। इन दोनों के बीच भी

यह स्थिति बनती है। इस रिश्ते में गोपनीयता होनी भी नहीं चाहिए। लेकिन स्त्री और पुरुष की निजता बची रहनी चाहिए, क्योंकि हर मनुष्य स्थान और ईंसान के मामले में निजता चाहता है।

समझदार जोड़े एक-दूसरे के प्रति गोपनीयता नहीं रखते।

200फीसदी पारदर्शिता का रिश्ता है यह। लेकिन एक-दूसरे की निजता का अत्यधिक मान भी करते हैं, क्योंकि निजता का संबंध कहीं ना कहीं आत्मसम्मान से भी है।

हम बुद्ध के उदाहरण से समझ सकते हैं। बुद्ध अत्यधिक रहस्यमयी थे, लेकिन डरावने

नहीं थे। वे उतने ही दयालु थे। हम जब भी सार्वजनिक जीवन में हों,

पारिवारिक जीवन में रहें, अपनी और दूसरों की निजता बनाए रखें और गोपनीयता कहां आवश्यक है और कहां नहीं, इसके प्रति भी जागरूक रहें। पं. विजयशंकर मेहता

दुनिया के शहर मिलकर भी क्लाइमेट चेंज से लड़ सकते हैं

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ पूरी दुनिया ही एक लड़ाई लड़ रही है। इस संघर्ष में लक्ष्यों और प्रतिबद्धताओं की कोई कमी नहीं रही है। लेकिन अंततः लोग इस दिशा में हुई प्रगति का आकलन इस आधार पर करते हैं कि वे अपने दैनिक जीवन में क्या अनुभव करते हैं। और जलवायु कार्रवाई का प्रभाव दुनिया के शहरों में सबसे अधिक प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देता है। शहरों में यह समझ अब बनने लगी है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने और जलवायु संबंधी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता बढ़ाने वाले उपाय लोगों के दैनिक जीवन की बेहतर बनाते हैं। एनर्जी-इफिशिएंट घर बिजली के बिल को कम करते

विकल्प उपलब्ध कराता है। पेड़ और ग्रीन बेल्ट हवा की गुणवत्ता में सुधार लाते हैं, इलाकों को ठंडा रखते हैं और शहरों को रहने के लिए अधिक सुखद बनाते हैं। लेकिन जलवायु कार्रवाई का उद्देश्य केवल यही नहीं है। यह लोगों को गर्म होती पृथ्वी के पहले से स्पष्ट हो चुके प्रभावों से सुरक्षित रखने का भी प्रयास है। लू, बाढ़, सूखा और एक्स्ट्रीम-मौसम की घटनाएं लगातार अधिक तीव्र हो रही हैं। शहर और उनके निवासी इन चुनौतियों की क्षमता बढ़ाने वाले उपाय कर रहे हैं। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए एडाप्टेशन के उपायों को भी

सिस्टम्स बढ़ते तापमान के प्रति शहरों की क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जिसका सबसे अधिक लाभ बच्चों, बुजुर्गों और अन्य संवेदनशील समूहों को मिलता है। आज दुनिया के कई बड़े शहरों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटा है, जबकि उनकी आबादी लगातार बढ़ती रही है। इसके अलावा, तमाम तरह के शहर मिलकर उस प्रगति को और तेज करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, जो उन्होंने अलग-अलग स्तर पर हासिल की हैं। पिछले एक दशक में ग्लोबल कोवेनेंट ऑफ मेयर्स फॉर क्लाइमेट एंड एनर्जी (जीसीओएम) 150 देशों के 14,000 से अधिक शहरों और

जलवायु लक्ष्य अपनाए हैं और उन्हें अधिक तेजी से हासिल करने की दिशा में आगे बढ़े हैं। फिर भी, यदि उन्हें अधिक सहयोग मिले तो वे और तेजी से तथा अधिक व्यापक स्तर पर काम कर सकते हैं।उन्हें तकनीकी विशेषज्ञता और फंडिंग तक पहुंच वगै तत्काल आवश्यकता है।अनेक स्थानीय निकायों के पास अब भी इतने संसाधन नहीं हैं कि वे जलवायु परियोजनाओं की पहचान, विकास और क्रियान्वयन कर सकें।साझेदारी से इन जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। सिटी क्लाइमेट फाइनैन्स गैप फंड- जिससे जीसीओएम और विश्व बैंक का समर्थन प्राप्त है- पहले ही ऐसी परियोजनाएं विकसित करने में शहरों को सहायता दे रहा है, जो निवेश को आकर्षित कर सकें और आबादी को लाभ पहुंचा सकें। पिछले कुछ वर्षों में इसने 1,400 से अधिक शहरों को जलवायु संबंधी महत्वाकांक्षाओं को व्यावहारिक कार्रवाई में बदलने में सहायता प्रदान की है। राष्ट्रीय सरकारें अब जलवायु परिवर्तन से निपटने में शहरों की क्षमता को तेजी से स्वीकार कर रही हैं। लेकिन इसे केवल शुरुआत माना जाना चाहिए। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। सबसे सफल जलवायु-नीतियां वही होती हैं, जिनका असर लोग अपने रोजमर्रा के जीवन में देख और महसूस कर सकें, यानी स्वच्छ हवा, अधिक सुरक्षित सड़कें, बिजली का कम बिल, अधिक स्वस्थ घर और एक्स्ट्रीम-मौसम से बेहतर सुरक्षा। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट,माइकल ब्लूमबर्ग)



हैं। रिन्यूएबल एनर्जी आयातित-ईंधनों पर निर्भरता और तेल-गैस की कीमतों में उछाल से पैदा होने वाली मुश्किलों को कम करती हैं। बेहतर सार्वजनिक परिवहन और सुरक्षित साइकिल इंफ्रास्ट्रक्चर लोगों को आने-जाने के लिए अधिक किफायती और स्वस्थ

आगे बढ़ाना होगा। दुनिया भर में स्थानीय नेतृत्व स्कूलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम्स और सार्वजनिक स्थलों को अत्यधिक मीमं तथा अन्य जलवायु जोखिमों से नागरिकों की सुरक्षा के लिए अत्युत्कृष्ट बनाने के प्रयास कर रहा है। छायादार व्यवस्थाएं, ग्रीन रूफ और प्राकृतिक कूलिंग

स्थानीय सरकारों के गठबंधन के रूप में विकसित हुआ है, जो एक अरब से अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें भारत के भी 29 शहर शामिल हैं और सबसे नया सदस्य तिरुवनंतपुरम है। इसके अनेक सदस्य शहरों ने अपनी सरकारों की तुलना में अधिक महत्वाकांक्षी

भारतीय के बजाय विदेशी कंपनियों को टैक्स छूट क्यों?

एआई के लिए सेमीकंडक्टर बनाने वाली एनवीडिया कंपनी की वैल्यू भारत की जीडीपी से ज्यादा है। इलॉन मस्क अपनी स्पेस एक्स कंपनी के शेयरों के दम पर 174 देशों से भी अधिक

में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इस टैक्स छूट की वजह से अगले चार सालों में 5000 मेगावॉट यानी पांच गीगावॉट के विदेशी डेटा सेंटरस

में ऑफिस स्थापित करने की बाध्यता नहीं है, इससे भारत के श्रम कानून उन पर लागू नहीं होंगे। विदेशी डेटा सेंटर कंपनियों को राज्यों की सरकारें जमीनों का आवंटन और रियायतें दे रही

वाले भारत में नरियायं और तालाब पहले ही सूख रहे हैं। गर्मी से भारत की जीडीपी को 4.5 फीसदी का झटका लग सकता है। भारत में 60 करोड़ से ज्यादा लोग जल संकट से



सम्पत्ति वाले दुनिया के सबसे रईस व्यक्ति बन गए हैं। डेटा, तेल और एआई- इन तीन बड़ी बातों से डोनाल्ड ट्रम्प अमेरिका की बादशाहत को कायम रखने की कोशिश कर रहे हैं। अगले 5 सालों में 500 अरब डॉलर यानी 47 लाख करोड़ रुपए की अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं के आयात के लिए भारत पर दबाव बढ़ रहा है। उसी कड़ी में भारत में डेटा सेंटर की स्थापना हो रही है, क्योंकि अमेरिकी डेटा सेंटरों के लिए मशीनों और सेवाओं का भारत में आयात होगा। इस परिदृश्य के पांच पहलुओं को समझना जरूरी है : 1. अमेरिकी एआई कंपनियों को सफल होने के लिए बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में इस साल के बजट

स्थापित करने का लक्ष्य है। स्वदेशी कंपनियों को टैक्स छूट नहीं मिलना संविधान की समानता के उल्लंघन के साथ सार्वभौमिकता का भी हनन है। 2. दुनिया के कुल डेटा का लगभग 25फीसदी भारत से जनरेट हो रहा है। भारत में डेटा सुरक्षा कानून लागू नहीं होने से अमेरिका की टेक कंपनियां और मालिक मालामाल हो रहे हैं। पिछले साल यूपीआई से 314 लाख करोड़ के लेंदेन हुए, जो ग्लोबल रियल टाइम पेमेंट का 49फीसदी है। रिजर्व बैंक ने 2018 में डेटा को भारत में सुरक्षित रखने के लिए नियम बनाए थे, जिन्हें विदेशी कंपनियों पर लागू नहीं किया जा रहा है। 3. केंद्र सरकार ने पिछले साल कहा था कि विदेशी कंपनियों को भारत में परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट स्थापित करने के बाद ही टैक्स में छूट मिलेगी। अब उन्हें भारत

हैं। खरबों डॉलर के निवेश वाले इन डेटा सेंटरस से औद्योगिक क्रांति नहीं होने से दीर्घकालिक रोजगारों का सृजन भी नहीं होगा। 4. डेटा सेंटरस को चौबीसों घंटे बिजली चाहिए या डीजल वाले जनरेटर सेट के बैकअप की जरूरत होगी। चार सालों में डेटा सेंटरस में बिजली की खपत 6 गुना बढ़ जाएगी। इनकी सहूलियत के लिए भारत में परमाणु बिजली का कानून नया बनाया गया है।

इनसे चेन्नॉबिल जैसे हादसे होने का खतरा बढ़ गया है। राज्यों की बिजली कंपनियां सात लाख करोड़ के कर्ज से दबी हैं। डेटा सेंटरस की वजह में ऊर्जा के अमेरिका में परमानेंट एस्टैब्लिशमेंट स्थापित करने के बाद ही टैक्स में छूट मिलेगी। अब उन्हें भारत

प्रस्त हैं। खरबों गैलन पानी निगलने वाले डेटा सेंटरस की वजह से भूगर्भजल के साथ पेयजल का संकट गहरा सकता है। अंतरिक्ष और समुद्र में डेटा सेंटर के ख़ाब बेचकर मस्क टेक-कुबेर बन गए हैं। गरीबी, एकाधिकार, बंरो जगारी, जलवायु जोखिम और साम्राज्यवाद बढ़ाने वाले विदेशी डेटा सेंटरस की टैक्स छूट खत्म हो। संविधान के अनुसंशोधन सेट सेंटरस में पर्यावरण संरक्षण और श्रम कानूनों को लागू करने की जरूरत है। हमारे आम बजट में सिर्फ 1 साल के लिए टैक्स के नियम बनाए जाते हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव से इस साल के बजट में विदेशी क्लाउड कम्पनियों को साल 2047 तक इनकम टैक्स में छूट दे दी गई है। इसका क्या कारण है? (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

बहुत सारे नए रोजगार भी क्रिएट करेगा एआई

तो क्या एआई हमारी नौकरियां खाने जा रहा है? अभी तो कोई नहीं जानता कि यह

पैदा होने वाले नए डेटा के प्रति एडाप्टिव भी हों। एआई को अपनाने में बाधा डालने वाला एक अन्य

प्रोडक्टिविटी में वृद्धि है (यह नहीं कि यह मानव-श्रम की तुलना में सस्ता पड़ता है), तो कंपनियों की



कितनी तेजी से होगा, कितना व्यापक होगा और इसका सबसे अधिक असर किन सेक्टर पर पड़ेगा। बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि अलग-अलग कंपनियां इस तकनीक को अपने कामकाज में कितनी तेजी से लागू करती हैं।अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के हालिया बिजनेस ट्रेंड्स से आउटलुक सर्वे के अनुसार, 20 से कम कर्मचारियों वाली केवल 20% कंपनियां ही वर्तमान में एआई का इस्तेमाल करती हैं, जबकि कम से कम 250 कर्मचारियों वाले 37फीसदी बिजनेसों में एआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। यानी बड़ी कंपनियां इस तकनीक का गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव और दिलचस्प भी होंगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि एआई उबाऊ और दोहराव वाले कामों को कम करेगा और उन कामों में मदद करेगा, जिन्हें ईंसान ज्यादा अच्छी तरह से नहीं कर पाते हैं। साथ ही, नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की, जो इस तकनीक के मॉडल जरूरी हैं, जो न केवल मौजूदा डेटा पर प्रशिक्षित हों, बल्कि रोजमर्रा के इस्तेमाल से

फॉक्टर लागतों को लेकर अनिश्चितता है। कई बड़ी कंपनियां अभी भी पायलट प्रोजेक्ट चला रही हैं और नियुक्ति या छंटनी के फैसले ढाल रही हैं, क्योंकि वे स्थिति के और स्पष्ट होने का इंतजार कर रही हैं। लेकिन प्रतिस्पर्धात्मक दबाव उन्हें इस तकनीक को अपनाने के लिए मजबूर करेगा ही। इसके बावजूद, रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। अगर कंपनियां वही वस्तुएं बनाती और वही सेवाएं उपलब्ध कराती रहती हैं- जो वे अभी करती हैं- तो एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। हां, कुछ नौकरियां जरूर कमो को कम करेगा और उन कामों में मदद करेगा, जिन्हें ईंसान ज्यादा अच्छी तरह से नहीं कर पाते हैं। साथ ही, नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की, जो इस तकनीक के इंप्लीमेंटेशन की निगरानी करेंगे। इसके अलावा, अगर एआई को अपनाने की वजह

कम लागत में अधिक उत्पादन करने की क्षमता उन्हें कीमतें घटाने और बिक्री बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। यह प्रसिद्ध जेवन्स-इफेक्ट है और इससे रोजगार भी बढ़ने चाहिए। आशावादी होने का एक और कारण यह है कि एआई नए बिजनेस खड़े करने में मदद कर सकता है। मान लीजिए कि कोई व्यक्ति फनीचर बनाने का कारोबार शुरू करना चाहता है, लेकिन वह इसलिए हिचकिचाता है क्योंकि इसके लिए उसे एक वेब-प्रोग्रामर और अकाउंटेंट की जरूरत है। अगर एआई ये दोनों भूमिकाएं निभा सके, तो शायद वह काफी कम लागत में एकल स्वामित्व वाला व्यवसाय शुरू कर सकता है। महामारी के दौरान स्टार्टअप की संख्या पहले ही काफी बढ़ गई थी और हाल की तिमाहियों में इसमें और वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्री डेविड ऑटर बताते हैं कि एआई मध्यम कौशल वाले कामगारों को हाई-रिक्ल्स से लैस कर सकता है। इसका उदाहरण कोई नर्स प्रैक्टिशनर है, जो मेडिकल एआई की मदद से कहीं अधिक बीमारियों की पहचान और इलाज कर सकती है। दुनिया भर में चिकित्सा-सेवाओं की भारी मांग को

देखते हुए इस क्षेत्र में नए रोजगार पैदा करने की काफी गुंजाइश है। यह समझते हुए कि एआई के कारण नौकरियों के संकट का पहला दौर आखिरी नहीं होगा, कंपनियों को समय-समय पर कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने और जहां तक संभव हो, उन्हें नौकरी पर बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत होगी। सरकारें कर्मचारियों को दिए जाने वाले अतिरिक्त प्रशिक्षण के लिए टैक्स-क्रेडिट पर विचार कर सकती हैं, जिसमें कर्मचारी के काम पर बने रहने पर हर साल प्रशिक्षण की लागत का एक-तिहाई इस्तेमाल किया जा सके। अगर सरकार ऐसी नीति एआई अपनाने वाली कंपनियों पर लागू करना चाहती है, तो वो यह भी कर सकती है कि इस क्रेडिट का इस्तेमाल केवल टोकन टैक्स की भरपाई के लिए हो। हालांकि, कर्-प्रोत्साहनों से भी अधिक महत्वपूर्ण यह होगा कि कंपनियां स्वीकारें वे अपने कर्मचारियों को अनिश्चित भविष्य से निपटने में मदद करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। जैसे-जैसे रोजगार को लेकर अनिश्चितता बढ़ेगी, सबसे योग्य और प्रतिभाशाली लोग भी ऐसे एम्प्लॉयर के यहां नौकरी स्वीकार करने को लेकर चिंतित हो सकते हैं, जो जब चाहे उन्हें नौकरी से निकाल सकता है। जो एम्प्लॉयर अपने कर्मचारियों को सहयोग देने का वादा करेंगे, उन्हें अंततः एक अतिरिक्त लाभ भी मिल सकता है : उनकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तो उनके पास चुनने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले उम्मीदवारों का एक बड़ा पूल होगा। भविष्य निराशाजनक नहीं है-रोजगार के लिहाज से भविष्य पूरी तरह निराशाजनक नहीं है। एआई को अपनाने का प्रभाव वही होगा, जो किसी भी नई तकनीक का होता है। कुछ नौकरियां जरूर गैर-जरूरी हो जाएंगी, लेकिन कुछ अधिक प्रोडक्टिव भी होंगी। नई नौकरियां भी पैदा होंगी- जैसे एआई इंजीनियरों की। रघुराम राजन

मुनाफा तय न करे कि कौन-सी जांच हो और कौन-सी दवा दें

भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दुविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये हैं, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं। इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सूझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे। लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते।

इसलिए निजी अस्पतालों और विदेशी निवेश का जो खलनायक मानना सही नहीं होगा। भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दुविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये हैं, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं। इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सूझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे। लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते।

इसलिए निजी अस्पतालों और विदेशी निवेश का जो खलनायक मानना सही नहीं होगा। भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दुविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये हैं, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं। इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सूझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे। लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते।

निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये हैं, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं। इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सूझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे। लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते।

कि पूंजी से मिलने वाले लाभ की अपेक्षा कहीं चिकित्सा निर्णयों को प्रभावित न करने लगे। स्वास्थ्य-सेवा सामान्य बाजार नहीं है। बीमार व्यक्ति कार या मोबाइल खरीदने वाले ग्राहकों की तरह अलग-अलग दुकानों में कीमतों की तुलना नहीं कर सकता। अस्पताल ही काफी हद तक तय करता है कि मरीज का क्या इलाज करना है।एमआरआई जरूरी है या नहीं, भर्ती दो दिन और चले या

हैं जिनसे मरीज को जीवनभर कोई नुकसान नहीं होता। फिर उनके पीछे नई जांचें होती हैं। सामान्य सीमा के आसपास की स्थिति बीमारी घोषित हो सकती है। जिसे घर पर दवाओं व निगरानी से संभाल जा सकता था, वह अस्पताल में भर्ती हो सकता है। जहां इंतजार और निगरानी उचित थी, वहां प्रक्रिया की सलाह दी जा सकती है। सी जेरियन ऑपरेशन, एंजियोप्लास्टी, आईसीयू, भर्ती,



बढ़ाना शामिल है। एक सूझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो।

बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे। लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते।

इसलिए निजी अस्पतालों और विदेशी निवेश का जो खलनायक मानना सही नहीं होगा। भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दुविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये हैं, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं। इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सूझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे। लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते।

इसलिए निजी अस्पतालों और विदेशी निवेश का जो खलनायक मानना सही नहीं होगा। भारत में निजी अस्पताल में दाखिले के साथ ही मरीज और परिवार के सामने दुविधाएं आ खड़ी होती हैं। अंतिम बिल कितना होगा, यह अकसर इलाज पूरा होने तक स्पष्ट नहीं होता। संसद में 7 अगस्त 2026 को पेश स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की 176वीं रिपोर्ट ने इसी चिंता को सामने रखा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार निजी अस्पताल में भर्ती होने का औसत खर्च 50,508 रुपये है, जबकि सरकारी अस्पताल में यह 6,631 रुपये है। प्रसव पर निजी संस्थान में औसत जेब खर्च 37,630 रुपये हैं, जबकि सरकारी संस्थान में केवल 2,299 रुपये। समिति ने कुल 368 सिफारिशें की हैं। इनमें इलाज शुरू होने से पहले संभावित खर्च बताना, मानकीकृत पैकेज दरें तय करना और अस्पतालों के शुल्क में पारदर्शिता बढ़ाना शामिल है। एक सूझाव यह भी है कि महानगरों में निजी अस्पतालों के सामान्य कमरों का शुल्क आसपास के तीन सितारा होटलों के औसत किराये से अधिक न हो। बड़े कॉर्पोरेट अस्पतालों से अपेक्षा की गई है कि मेडिकल टूरिज्म, विदेशी मरीजों और संपन्न वर्ग से होने वाली आय का कुछ लाभ गरीबों तक पहुंचे। लेकिन भारत को स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए निजी और विदेशी पूंजी की जरूरत भी है। अस्पताल बनाना महंगा है। जमीन, आधुनिक उपकरण, आईसीयू, प्रयोगशालाएं, डिजिटल तकनीक और प्रशिक्षित कर्मचारी- सबके लिए बड़ा निवेश चाहिए। सरकारी अस्पताल अभी अकेले देश की सारी जरूरत पूरी नहीं कर सकते।

डायग्नोस्टिक पैकेज और लंबी दवा-सूचियों पर इसलिए केवल व्यक्तिगत चिकित्सकीय फैसलों के रूप में नहीं, बल्कि पूरे मरीज से कहीं अधिक जानकारी होती है। यह स्वास्थ्य क्षेत्र में एक बड़ी इन्फॉर्मेशन एसीमेट्री या ज्ञान-असमानता है, जिसके बारे में अर्थशास्त्री लम्बे समय से बताते रहे हैं।कॉर्पोरेट अस्पतालों में महंगी तकनीक, नामी विशेषज्ञ और बेहतर सुविधाएं गुणवत्ता बढ़ा सकती हैं। लेकिन इनकी लागत भी वसूलनी होती है। संस्थानों पर लगातार बेड भरने, प्रति मरीज आय बढ़ाने या अधिक जांचें कराने का दबाव होता है। अधिकांश डॉक्टर मरीज का हित ही चाहते हैं, लेकिन संस्थागत प्रोत्साहन चिकित्सकीय व्यवहार को प्रभावित करते हैं।

जहां मुनाफे की अपेक्षा यह तय करने लगे कि कौन-सी जांच होगी, कौन-सी दवा लिखी जाएगी और कौन-सी प्रक्रिया की जाएगी।

स्वास्थ्य-व्यवस्था की सफलता अस्पतालों में आए निवेश या मेडिकल टूरिज्म की वृद्धि से नहीं मापी जानी चाहिए। असली कसौटी यह है कि मरीज अस्पताल में इस भरोसे से प्रवेश कर सके कि उसे उतना ही इलाज मिलेगा, जितना जरूरी है- न उससे कम, न अधिक। (ये लेखक के अपने विचार हैं) डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया

सीजेपी बोली- मुख्य चुनाव आयुक्त इस्तीफा दें, वरना देशभर में करेंगे आंदोलन,एसआईआर में 13 करोड़ नाम काटे- वे देशद्रोही

नयी दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

देने के बाद वह 240 सीटों पर आ गई। इसके बाद उन्हें लगा कि देश का मूड बदल रहा है और



कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया। पार्टी ने कहा कि अगर उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया तो देशभर में आंदोलन के बाद दिल्ली में प्रदर्शन करेंगे। पार्टी फाउंडर अभिजीत दीपके ने एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के आयुक्तों में मतभेद की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा- ज्ञानेश कुमार इस देश के सबसे बड़ा गद्दार हैं। वह सबसे बड़े एंटी-नेशनल हैं। दीपके ने आरोप लगाया कि एसआईआर के जरिए देश में 13 करोड़ से ज्यादा वोट डिलीट किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है। दीपके ने कहा- लोकतंत्र का मतलब है कि जनता सरकार चुनें, लेकिन ज्ञानेश कुमार के मुख्य चुनाव आयुक्त बनने के बाद सरकार यह तय कर रही है कि कौन वोट करेगा और कौन नहीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस की 4 बड़ी बातें:- 1. 2024 के नतीजों का हवाला देकर बीजेपी पर सवाल-दीपके ने कहा- 2024 के चुनाव में बीजेपी बहुमत हासिल नहीं कर सकी। ‘400 पार’ का नारा

क्षेत्रीय ताकतें बहुत मजबूत हो रही हैं। 2. क्षेत्रीय नेताओं को एक-एक कर हराने का आरोप-दीपके वे5 मुताबिक, चाहे महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे हों, एनसीपी, एमके5 स्टालिन, पिनराई विजयन, अरविंद केजरीवाल या ममता बनर्जी, इन सभी मुख्यमंत्रियों को एक-एक करके हराया गया। यह महज संयोग नहीं हो सकता। इसमें एक पैटर्न दिखाई देता है। ये सभी 2024 में एक साथ आए थे और उन्होंने मिलकर प्रचार किया था। फिर इन्हें एक-एक करके कैंस खत्म किया गया? 3. ममता, स्टालिन और केजरीवाल की सीटों पर वोट डिलीट होने का दावा-दीपके ने कहा- पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सीट से 50 हजार वोट डिलीट किए गए और वह करीब 15 हजार वोटों से हार गई। एमके स्टालिन की सीट से 1 लाख वोट डिलीट किए गए और वह करीब 45 हजार वोटों से हार गए। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सीट से 40 हजार वोट डिलीट किए गए और वह करीब 4 से 5 हजार

वोटों से हार गए। 4. विपक्ष को खत्म करने की कोशिश का सवाल-सीजेपी फाउंडर ने कहा- क्या यह कदम सिर्फ मजबूत विपक्षी नेताओं को खत्म करने के लिए उठाया गया था? हमें विपक्ष या किसी खास पार्टी से कोई विशेष लगाव नहीं है। लेकिन अगर लोकतंत्र में पूरे विपक्ष को ही खत्म कर दिया जाए, तो क्या इसे लोकतंत्र कहा जा सकता है? क्या यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हैं? कॉकरोच जनता पार्टी, फाउंडर-अभिजीत दीपके:- ‘केंद्र सरकार ने कई राज्यों में सरकार बदल दी। विधायक और सांसद खरीदे गए। पार्टियां तोड़ी गईं। रीजनल पार्टियों को तोड़ा गया। चुनाव आयोग ने युवाओं से बात करेंगे-सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने 6 अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सितंबर से देशभर



सर्वसम्मति से हुए-हालांकि, स्पेशल इंटेंसिव रिक्वीजन (एसआईआर) को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्ट पर चुनाव आयोग ने अपना पक्ष रखा था। आयोग ने कहा था कि बहुसदस्यीय संवैधानिक संस्था में अलग-अलग राय, सुझाव और

में ‘क्या बोलती पब्लिक’ अभियान शुरू करने की बात कही थी। दीपके ने महाराष्ट्र के संभाजीनगर में यह घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि संगठन गांव-शहर जाकर युवाओं से बात करेगा। साथ ही, बेरोजगारी और महंगी शिक्षा को मुद्दा बनाएगा।

ईरान बोला-फिर हमला हुआ तो युद्ध हिंद महासागर तक फैलेगा, इसका प्रभाव भारत-चीन पर होगा,समुद्र में तनाव बढ़ा तो तेल लाने वाले जहाज भी फंसेंगे

तेहरान।‘अमेरिका-ईरान जंग शुरू होने के बाद से ट्रम्प पिछले 7 महीने में 10 से ज्यादा



बार ईरान को तबाह करने की धमकी दे चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें पलटकर बातचीत का रास्ता अपनाना पड़ा। ईरानी सेना बोली- ट्रम्प ने यूएन के मंच का गलत इस्तेमाल किया-इससे पहले ईरान की सेना ने भी ट्रम्प पर निशाना साधा था। ईरानी सशस्त्र बलों ने आरोप लगाया कि ट्रम्प ने यूएन के मंच का इस्तेमाल ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता को सही ठहराने के लिए किया। अल जजीरा के मुताबिक, ईरानी सेना ने कहा कि ट्रम्प की बार-बार दी जा रही धमकियां ताकत की निशानी नहीं, बल्कि रणनीतिक

खोलने के लिए अपनी शर्तें अमेरिका के सामने रखी हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अराघची ने अमेरिकी अधिकारियों के सामने इन शर्तों को रखा। ईरान की मांग है कि अमेरिका तुरंत नॉर्सेनिक नाकाबंदी हटाए, विदेशों में फ्रीज की गई ईरानी संपत्तियां जारी करे। साथ ही लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करे-होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम तेल शिपिंग रूट में से एक है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी को जोड़ने वाले इस जलमार्ग से बड़ी मात्रा में कच्चे तेल और गैस का परिवहन होता है।

अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट के पादर्स ऑस्ट्रेलिया से अमेरिका के बजाए हांगकांग पहुंचे, चीन के हाथ लगे-इसे रडार पर पकड़ना मुश्किल

वॉशिंगटन डीसी। 5. क्या चीन एफ-35 की हबहू कॉपी बना लेगा? जरूरी नहीं। कुछ पादर्स या तकनीकी जानकारी मिलने से पूरा विमान बनाना संभव नहीं होता। एफ-35 के डिजाइन, सॉफ्टवेयर और निर्माण प्रक्रिया की पूरी जानकारी अलग-अलग स्तर पर सुरक्षित होती है। इसके अलावा एफ-35 की तकनीक लगातार अपडेट होती रहती है। 6. सिर्फ पादर्स मिलने से कितना खतरा? यह इस बात पर निर्भर करेगा कि चीन के हाथ कौन-से पादर्स और कितनी जानकारी लगी। सामान्य पादर्स से खतरा सीमित हो सकता है। सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर या डिजाइन से जुड़ी संवेदनशील जानकारी ज्यादा अहम हो सकती है। 8. अमेरिका के लिए सबसे बड़ी चिंता क्या होगी? सबसे बड़ी चिंता किसी एक पार्ट के चीन तक पहुंचने की नहीं होगी। चिंता तब ज्यादा बढ़ेगी, जब चीन को एफ-35 की स्ट्रेथ क्षमता, सेंसर, रडार, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम या सॉफ्टवेयर से जुड़ी अहम जानकारी मिल जाए।

दिल्ली में नाबालिग से दुष्कर्म, 12 दिन में चौथा मामला,सोशल मीडिया पर दोस्ती कर होटल में बुलाया, आरोपी फरार- पॉक्सो में केस

नयी दिल्ली। दिल्ली के वजीराबाद इलाके की एक होटल

कराया और उसका बयान दर्ज किया। मेडिकल जांच और लड़की



में नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी और पीड़ित दोनों वजीराबाद के रहने वाले हैं। आरोपी ने सोशल मीडिया पर लड़की से दोस्ती की और मंगलवार को उसे होटल में बुलाया। घटना के बाद लड़की घर पहुंची और परिवार को पूरी बात बताई। इसके बाद परिवार ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल

के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया है। घटना के बाद से आरोपी फरार हैं। दिल्ली में पिछले 12 दिनों में नाबालिग से रेप का यह चौथा मामला है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, पॉक्सो केस में करीब 97फीसदी आरोपी, पीड़ित को पहले से जानता है। होटल के रिकॉर्ड की जांच-पुलिस यह भी जांच कर रही है कि

जमुई के बाद अब समस्तीपुर में लड़की से बदसलूकी,विरोध करने पर बाल खींचे,युवकों ने नाबालिग को घसीटा-4 आरोपी गिरफ्तार

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर में भी जमुई जैसी छेड़खानी की घटना हुई है। सड़क पर कुछ लड़कों ने एक नाबालिग लड़की के साथ बदसलूकी की, जिसका वीडियो 21 सितंबर से वायरल है। लड़की युवकों से बार-बार छोड़ने के लिए कहती

कहती है कि मुझे छोड़ दो, लेकिन लड़के उसे जाने नहीं देते। लड़की कहती है- रुको, मैं अपने भाई को बुलाती हूं। इस पर लड़के कहते हैं कि ठीक है बुलाओ। वीडियो के अंत में दिख रहा है कि एक लड़का बाइक के सहारे खड़ा है। बाइक के पास खड़ा

ग्राम थाना में बीएनएस, पॉक्सो और आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की। सूचना मिलने के 6 घंटे के अंदर घटना में शामिल कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों से पूछताछ में ये सामने



है, लेकिन युवकों ने बीच सड़क उसका हाथ पकड़ा, विरोध करने पर पीटने की कोशिश की, बाल खींचे और दूसरी तरफ ले गए। घटना 15 सितंबर की है। समस्तीपुर पुलिस को इसकी जानकारी 23 सितंबर की रात करीब साढ़े 10 बजे मिली। इसके बाद पुलिस ने कर्पूरी ग्राम थाना क्षेत्र में कई जगहों पर छापेमारी की। 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पांच दिन पहले 19 सितंबर को बिहार के ही जमुई में भी नाबालिग लड़की से छेड़खानी का मामला सामने आया था। इस मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। 56 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि एक लड़की सड़क पर खड़ी है। उसे कुछ लड़के परेशान कर रहे हैं। लड़की उनसे बचने की कोशिश करती है। बर्नियन पहने एक लड़का बार-बार उसका हाथ पकड़ता दिख रहा है। लड़की के विरोध करने पर एक लड़का उसे मारने की कोशिश करता है। ये सब बीच सड़क पर हो रहा है, लेकिन कोई बीच-बचाव के लिए नहीं आया। लड़की बार-बार

वाई मेंबर का बेटा-नाबालिग खुद को बचाकर जिस लड़के के पास पहुंचती है, वो मोबाइल चलाता दिख रहा है। आशंका जताई जा रही है कि वो लड़का नाबालिग के साथ ही है। उसकी पहचान दिलीप राम के रूप में हुई है, जो वाई मेंबर मुनिया देवी का बेटा है। वो फोन में किसी का नंबर निकालकर उससे बात करने की कोशिश कर रहा है। नाबालिग लड़के के पास जाकर चुपचाप खड़ी हो जाती है, आरोपी भी उसके पास खड़े हो जाते हैं। एसपी बोले- एक आरोपी के मोबाइल से वीडियो मिला-एसपी अरविंद प्रताप ने बताया कि वीडियो के संज्ञान में आने के बाद हमने पहले जगह की पहचान की। जो कर्पूरी ग्राम थाना क्षेत्र जगतसिंहपुर गांव से गुजरने वाली सड़क के आसपास थी। पीड़िता की पहचान की कोशिश की गई, लेकिन अब तक इसमें सफलता नहीं मिली है। वीडियो में वो नाबालिग दिख रही है। घटना अति संवेदनशील थी, इसलिए पुलिस पदाधिकारी के बयान पर ही हम लोगों ने कर्पूरी

आया कि घटना संभवतः 15 सितंबर की है। घटना से संबंधित वीडियो एक आरोपी के मोबाइल में मिला, जिसे उसने खुद ही धीरे-धीरे कुछ लोगों को फॉरवर्ड किया होगा और कल रात को 9 बजे के बाद ये वीडियो अलग-अलग सोशल मीडिया यूजर्स के माध्यम से शेयर होने लगा और वायरल हुआ है। ‘गिरफ्तार 4 आरोपियों में 2 पहले जेल जा चुके हैं’-पकड़े गए 4 आरोपियों में विकास कुमार शर्मा, राहुल कुमार और रामबाबू सहनी जगतसिंहपुर गांव के रहने वाले हैं। चौथा आरोपी अवधेश पासवान कर्पूरीग्राम का रहने वाला है। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विकास और राहुल शराब से जुड़े मामलों में कम से कम दो बार जेल जा चुके हैं। इनसे जुड़े लोगों के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। एसपी ने बताया कि वीडियो में एक लड़का बाइक के सामने खड़ा दिख रहा है, कुछ और लोग भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। इन लोगों का बयान भी लिए जाएंगे। मंत्री बोले- घटना

इस्लामाबाद में इमरान समर्थकों का मार्च रोकने 2,000 कंटेनर लगाए,हाईवे बंद- बुलडोजर-क्रैन लेकर रास्ता खोलने पहुंचेंगे पीटीआई कार्यकर्ता

इस्लामाबाद। कोर्ट ने कहा था कि कोई राजनीतिक पार्टी या नेता सार्वजनिक सड़क, हाईवे, इंटरचेंज, टोल प्लाजा या सरकारी इमारत पर कब्जा नहीं

पाकिस्तान की राजनीति में ‘कंटेनर पॉलिटिक्स’ शब्द प्रचलित हो गया। 2016, 2019 और 2022 में हुए बड़े प्रदर्शनों के दौरान भी राजधानी जाने वाले



कर सकता।कोर्ट ने यह भी कहा था कि प्रांतीय सरकारें प्रदर्शन के लिए सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल न होने दें। यानी मार्च

रास्तों को कंटेनर लगाकर बंद किया गया था। अगस्त 2023 से जेल में हैं इमरान- 73 साल के इमरान खान अगस्त 2023



के दौरान सरकारी संसाधनों के इस्तेमाल को लेकर भी रोक लगाई गई है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने 14 सितंबर को कहा था कि प्रदर्शन के दौरान कोई राजनीतिक पार्टी, नेता, प्रांतीय सरकार या सरकारी अधिकारी सार्वजनिक सड़कों, हाईवे, इंटरचेंज, टोल प्लाजा या सरकारी इमारतों पर कब्जा नहीं कर सकता। पाकिस्तान में कंटेनरों से रास्ते रोकना पुराना तरीका-पाकिस्तान में राजनीतिक प्रदर्शनों के दौरान कंटेनर लगाने का इतिहास करीब 30 साल पुराना है। 1996 में बेनजीर सुट्टो सरकार ने जमात-ए-इस्लामी नेता काजी हुसैन अहमद को इस्लामाबाद पहुंचने से रोकने के लिए कंटेनर लगाए थे। 2014 में इमरान खान के धरने के दौरान यही कंटेनर प्रदर्शन का मंच बन गए। इमरान और उनके समर्थक कई हफ्तों तक एक कंटेनर से भाषण देते रहे। इसके बाद

से जेल में हैं। उन्हें तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इहत निकाह समेत कई मामले दर्ज हुए। बाद में सिफर और इहत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं। इमरान खान और उनकी पार्टी पीटीआई का कहना है कि 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद उनके खिलाफ राजनीतिक वजहों से मामले दर्ज किए गए। उनका आरोप है कि उन्हें राजनीति और चुनाव से दूर रखने के लिए ऐसा किया गया। वहीं, पाकिस्तान सरकार और जांच एजेंसियां इन आरोपों को खारिज करती हैं। उनका कहना है कि ये मामले कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहे हैं।

चक्रवात अर्नब से ओडिशा-आंध्र प्रदेश में भारी बारिश, कोलकाता, एमपी और छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नयी दिल्ली। बंगाल की खाड़ी से बना अर्नब चक्रवात उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा के तट से देर रात 11 से 1 बजे के बीच टकरा गया। इसके असर से दोनों राज्यों के तटीय जिलों में भारी बारिश हो रही है।दक्षिण ओडिशा के 10 जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। करीब 5 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। मलकानगिरी में चार पुल डूब जाने से ट्रैफिक बंद हो गया है। सुरक्षा कारणों से नेशनल हाईवे भी बंद कर दिया गया है। वहीं, राजकेला में तूफान से सिविल टाउनशिप में बना 150 फुट ऊंचा गणेश पंडाल ढह गया।आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम जिले वे5 कलिंगपट्टनम के कई इलाकों में भारी बारिश के साथ 75 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चलीं। विजयवाड़ा में निचले इलाकों में पानी भर गया है। शहर के कई स्कूलों

में लगातार दूसरे दिन छुड़ी कर दी गई हैं। मछुआरों से शुक्रवार सुबह तक समुद्र में न जाने की अपील की।पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश का हो रही है। दार्जिलिंग और कलिमांग में भी आंधी

आने वाले पेड़ों, गाड़ियों और कई बार तो घरों को भी तबाह कर सकती हैं।साइक्लोन बनने का प्रोसेस कुछ इस तरह है-चक्रवात समुद्र के गर्म पानी के ऊपर बनते हैं। समुद्र का तापमान बढ़ने पर उसके ऊपर मौजूद हवा गर्म और नम होने की वजह से ऊपर उठती है। इससे उस हवा का एरिया खाली हो जाता है और नीचे की तरफ हवा का प्रेशर यानी वायु दाब कम हो जाता है। इस खाली जगह को भरने के लिए आसपास की ठंडी हवा वहां पहुंचती है। इसके

बाद ये नई हवा भी गर्म और नम होकर ऊपर उठती है। इसका एक साइकिल शुरू हो जाता है, जिससे बादल बनने लगते हैं। पानी के भाप में बदलने से और भी बादल बनने

लगतते हैं। इससे एक स्टॉर्म साइकिल या तूफान चक्र बन जाता है, जो धरती के घूमने के साथ ही घूमते रहते हैं। स्टॉर्म सिस्टम के तेजी से घूमने की वजह से उसके सेंटर में एक आई बनता है। तूफान के आई को उसका सबसे शांत इलाका माना जाता है, जहां एयर प्रेशर सबसे कम होता है। ये स्टॉर्म सिस्टम हवा की स्पीड 62 किमी/घंटे होने तक ट्रॉपिकल स्टॉर्म कहलाते हैं। हवा की रफ्तार 120 किमी/घंटे पहुंचने पर ये स्टॉर्म साइक्लोन बन जाते हैं। साइक्लोन आमतौर पर ठंडे इलाकों में नहीं बनते हैं, क्योंकि इन्हें बनने के लिए गर्म समुद्री पानी की जरूरत होती है। लगभग हर तरह के साइक्लोन बनने के लिए समुद्र के पानी के सफरफ का तापमान 25-26 डिग्री के आसपास होना जरूरी होता है। इसीलिए साइक्लोन को ट्रॉपिकल साइक्लोन की कहा जाता है।

ट्रॉपिकल इलाके आमतौर पर गर्म होते हैं, जहां साल भर औसत तापमान 18 डिग्री से कम नहीं रहता। पश्चिम बंगाल के साउथ बरिश होती रही। गोडा में सुबह 4 बजे से मूसलाधार बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे में जिले में 10 एमएम बारिश दर्ज की गई। प्रशासन ने कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

शाहरुख खान की नेटवर्थ रु2,500 करोड़ कम हुई,अब भी देश के सबसे अमीर एक्टर, सलमान रु3,000 करोड़ की संपत्ति के साथ तीसरे नंबर पर मुंबई। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 में शाहरुख खान एक बार फिर देश के सबसे अमीर भारतीय अभिनेता बनकर उभरे हैं। हुरुन रिपोर्ट वे



मुताबिक, शाहरुख खान की कुल संपत्ति 10,000 करोड़ रुपए दर्ज की गई है। इस लिस्ट में 4,000 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ अमिताभ बच्चन दूसरे



नंबर पर हैं। वहीं एक्टर सलमान खान ने 3,000 करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ पहली बार इस लिस्ट में अपनी जगह बनाई है। इसके अलावा ऋतिक रोशन भी 2,500 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ देश के सबसे अमीर एक्टरस की लिस्ट में बने हुए हैं। शाहरुख की नेटवर्थ रु2,500 करोड़ कम हुई-शाहरुख खान

उनकी संपत्ति में यह बढ़ोतरी दर्ज हुई है। सलमान खान की एंटी-ऋतिक की संपत्ति में भी बढ़त-सलमान खान ने इस साल 3,000 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ

हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में पहली बार एंटी ली है। वहीं एक्टर ऋतिक रोशन की नेटवर्थ में भी बढ़ोतरी हुई है। 2025 की लिस्ट में ऋतिक की संपत्ति 2,160

‘लव एंड वॉर’ से रणबीर कपूर का पहला लुक जारी,खून के दाग वाली शर्ट, मोटी मूंछें और गॉगल्स में दिखा रौबदार अंदाज

मुंबई। फिल्म ‘लव एंड वॉर’ से रणबीर कपूर का पहला लुक बुधवार को सामने आया है। पोस्टर में रणबीर का इंटेस और



रॉ अंदाज नजर आ रहा है। रणबीर मोटी मूंछों, खून के दाग वाली शर्ट और गॉगल्स में दिखाई दे रहे हैं। उनका लुक किरदार के रफ और मजबूत अंदाज की झलक देता है। शर्ट पर खून के दाग फिल्म की डार्क और एक्शन से भरपूर कहानी की ओर इशारा करते हैं। वहीं, गॉगल्स उनके किरदार को स्टाइलिश लुक दे रहे हैं। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, ‘वो रुतबा, वो रौब, वो जुनून! संजय लीला भंसाली की ‘लव एंड वॉर’ 21 जनवरी 2027 को। फिल्मों में मिलते हैं।’ पोस्टर में रणबीर का यह अवतार उनके अब तक के किरदारों से काफी अलग नजर आ रहा है। फिल्म में रणबीर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। ‘लव एंड वॉर’ दुनियाभर में 21 जनवरी 2027 को रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषा में रिलीज की जाएगी। इसका निर्देशन संजय लीला भंसाली ने किया है। ‘लव एंड वॉर’ की रिलीज डेट कई बार बदली-संजय लीला भंसाली की फिल्म ‘लव एंड वॉर’ की रिलीज डेट अब तक कई बार बदली जा चुकी है। सबसे पहले इसकी रिलीज की घोषणा जनवरी 2024 में हुई थी। उस समय फिल्म को क्रिसमस 2025 पर रिलीज करने की योजना थी।

बड़े स्तर पर हो रही शूटिंग और प्रोडक्शन में ज्यादा समय लगने के कारण रिलीज को आगे बढ़ाया गया। इसके बाद मार्च 2026 में फिल्म रिलीज होने की बात सामने आई। इस बीच 14 अगस्त 2026 की रिलीज डेट की भी चर्चा हुई थी। हालांकि, फिल्म का काम तय समय में पूरा नहीं हो सका। खास तौर पर बड़े वीएफएक्स और हवाई एक्शन सीन्स के कारण समय बढ़ा। इसके बाद मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट तय की। 21 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज तय की गई है। भंसाली के साथ विक्की की पहली फिल्म:-

17 जून को मुंबई के फिल्मसिटी के पास रॉयल पंप स्टूडियो में 42 वर्षीय कारपेंटर चंद्रधारी सिंह यादव की करंट लगने से मौत हो गई थी। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, हादसा शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ था। हादसे के बाद भंसाली प्रोडक्शंस ने मृतक के परिवार को 40 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की थी। फंडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया िसने एम्प्लॉइज यानी एफडब्ल्यूआईसीई ने मुआवजा बढ़ाकर 50 लाख रुपए करने की मांग की थी।

संगठन ने परिवार के बच्चों की पढ़ाई और मृतक की पत्नी को रोजगार देने की भी अपील की थी। इसके बाद ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन यानी एआईसीडब्ल्यू ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा। संगठन ने हादसे की जांच और संजय लीला भंसाली के खिलाफ एफआईआर की मांग की।एआईसीडब्ल्यू ने मृतक के परिवार को 1 करोड़ रुपए मुआवजा देने की मांग भी रखी। संगठन ने सेट पर सुरक्षा नियमों के पालन को लेकर सवाल उठाए।एआईसीडब्ल्यू ने यह भी कहा था कि घटना की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। साथ ही फिल्म सेट की सुरक्षा जांच कराने की मांग की गई थी।

रानी मुखर्जी की मां के निधन पर पहुंचे बॉलीवुड स्टार्स

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी के निधन के बाद मंगलवार शाम मुंबई के जुहू स्थित पवन हंस श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दुःख के समय में रानी मुखर्जी और उनके परिवार को सांत्वना देने बॉलीवुड की कई प्रमुख हस्तियां पहुंचीं। शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान के साथ अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे, वहीं आमिर खान, आलिया भट्ट और करण जोहर समेत कई सितारों ने रानी मुखर्जी को शोक संवेदना व्यक्त की। परिवार ने बयान जारी करके प्राइवैसी की अपील की है और मौत की वजह का खुलासा नहीं किया है। पवन हंस श्मशान घाट पर हुआ अंतिम संस्कार-75 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस लेने वाली कृष्णा मुखर्जी का अंतिम संस्कार मंगलवार शाम जुहू के पवन हंस श्मशान घाट पर किया गया। इस दौरान बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई बड़े वेहरे मौजूद रहे। शाहरुख खान अपनी पत्नी गौरी खान और मैनेजर पूजा ददलानी के साथ कड़ी सुरक्षा के बीच श्मशान घाट पहुंचे। उन्होंने रानी मुखर्जी और उनके भाई राजा मुखर्जी से मुलाकात कर दुःख जताया और अंतिम विदाई दी। रानी मुखर्जी के घर पहुंचे आमिर और आलिया आमिर खान ने रानी के घर पहुंचकर उन्हें ढांडस बंधाया।

5 साल की बेटी स्कूल जाने से डरती है,वहां देर तक रोती है, बात नहीं करती, बच्चे में स्कूल जाने की आदत कैसे डालें

मुंबई। विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- रिद्धि दोषी पटेल, चाइल्ड एंड पेरेंटिंग साइकोलॉजिस्ट, मुंबई जी के



साल सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं लखनऊ से हूं। मेरी 5 साल की बेटी ने इस साल स्कूल जाना शुरू किया है। घर पर वह सामान्य रहती है, लेकिन जैसे ही हम उसे स्कूल छोड़ने जाते हैं, वह जोर-जोर से रोने लगती है और हाथ नहीं छोड़ती। टीचर बताती हैं कि वह काफी देर तक रोती रहती है। किसी एक्टिविटी में उसका मन नहीं लगता। घर लौटने के बाद भी अगले दिन स्कूल जाने का नाम सुनते ही घबरा जाती है। हमें समझ नहीं आ रहा कि यह सामान्य है या किसी बात का डर है। ऐसी स्थिति में हमें क्या करना चाहिए? जवाब- स्कूल का पहला साल सिर्फ बच्चे के लिए नहीं, बल्कि माता-पिता के लिए भी एक बड़ा बदलाव होता है। पहली बार बच्चा घर-परिवार के सुरक्षित माहौल से निकलकर नई जगह, नए लोगों और नए नियमों वाली दुनिया में कदम रखता है। ऐसे में शुरुआती दिनों में रोना, माता-पिता से चिपके रहना या स्कूल जाने से मना करना काफी सामान्य है। लेकिन अगर बच्चा-कई हफ्तों तक रोज स्कूल जाते समय रोए। माता-पिता का हाथ न छोड़े। स्कूल में लंबे समय तक परेशान रहे। घर आने के बाद भी अगले दिन के स्कूल के नाम से घबराए। तो इसे सिर्फ ‘नाटक’ या ‘जिद’ कहकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह ‘सेपरेशन एंजाइटी’ यानी माता-पिता से अलग होने का डर हो सकता है। पहली बार मम्मी-पापा से दूर होने पर बच्चे का डरना स्वाभाविक है। लेकिन अगर कई हफ्तों, महीनों बाद भी बच्चा स्कूल जाने में सहज न हो, पेरेंट्स से दूर होते ही रोने लगे तो यह सेपरेशन एंजाइटी के संकेत हैं। स्कूल जाते हुए क्यों रोते हैं बच्चे-5 साल की उम्र में बच्चा अभी पेरेंट्स को अपनी सबसे सेफ जगह मानता है। जब वह उनसे अलग होता है तो उसे लगता है कि उसकी सुरक्षा छिन गई है। अगर यह डर नए माहौल, शर्मीलेपन या किसी बुरे अनुभव के साथ जुड़ जाए तो एंजाइटी और बढ़ सकती है। इसलिए स्कूल जाते हुए बच्चे इन तमाम कारणों से रो सकते हैं-स्कूल जाते हुए बच्चे रोते क्यों हैं? पेरेंट्स से दूर होने का डर। स्कूल का कोई खराब अनुभव। स्कूल का नया माहौल। वहां अकेला महसूस होना। अनजान बच्चों से झिझका नया रूटीन अपनाने में कठिनाई। पहले कभी घर से दूर न रहना। क्या बच्चे का रोना सामान्य है?हां, शुरुआती कुछ दिनों या कुछ हफ्तों तक ऐसा होना सामान्य है। लेकिन अगर बच्चा-

3-4 हफ्ते बाद भी रोज बहुत ज्यादा रो रहा है। स्कूल में लंबे समय तक शांत नहीं हो पा रहा है। किसी भी एक्टिविटी में हिस्सा

करे।’ इसकी बजाय कहें- ‘मुझे पता है कि तुम्हें डर लग रहा है।’ ‘नई जगह पर ऐसा महसूस होना सामान्य है।’ ‘तुम सुरक्षित हो और मैं तुम्हें लेने जरूर आऊंगी।’ इससे बच्चे को लगता है कि उसकी भावना को समझा जा रहा है। 2. बाय करने का तरीका छोटा रखें- बच्चे को स्कूल छोड़ते समय-उसे प्यार से गले लगाएं। मुस्कराकर कहें- ‘मैं छुड़ी के समय लेने आऊंगा।’ फिर बिना बार-बार मुड़कर देखे निकल जाएं। देर तक रुककर जाने से बच्चे की एंजाइटी बढ़ सकती है। 3. रोज एक जैसा रूटीन रखें-बच्चों के लिए रोज लगभग एक जैसा रूटीन रखें, जैसेकि- समय पर उठाना, तैयार करना, नाश्ता कराना, स्कूल भेजना, वापसी के बाद खेलने देना, अगर दिनचर्या नियमित हो तो उससे एंजाइटी को कम करने में मदद मिलती है। बच्चे को स्कूल के लिए तैयार कैसे करें?बच्चे को रोज एक समय पर उठाएं। जल्दबाजी न करें, प्यार से रेडी करें। घर का माहौल शांत व खुश रखें। स्कूल के बारे में पॉजिटिव बातें करें। स्कूल की अच्छी कहानियां सुनाएं। अपने

का खास ख्याल रखें- बच्चे का आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं? बच्चे की भावनाएं सुनें। उसके डर को भी समझें। उसका डर खारिज न करें। सफलताओं की तारीफ करें। उसके फ्रेंड्स को घर बुलाएं। बच्चे को सोशलाइज करने दें। पेरेंट्स न करें ये गलतियां- अक्सर जाने-अनजाने में पेरेंट्स कुछ ऐसी गलतियां करते हैं, जो बच्चे पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। इसलिए ऐसी गलतियों से बचें- बच्चे को डांटना या शर्मादा करना। उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना। स्कूल न जाने की आदत बनने देना। झूठा वादा करना। ‘रोना बंद करो’ कहकर भावना दबाना। खुद बहुत ज्यादा घबराना। बच्चे के रोने का कारण समझना है, इसके लिए उसे डांटना या शर्मादि नहीं करना है। हर बच्चा अलग होता है और उसकी इमोशनल जरूरतें भी अलग होती हैं। इसलिए कभी झूलकर भी दूसरे बच्चों से उसकी तुलना न करें। एक्सपर्ट की मदद कब लें? इन स्थितियों में चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट या डेवलपमेंटल पीडियाट्रिशियन से सलाह लेना



स्कूल के किस्से सुनाएं। स्कूल के बाहर तक छोड़ने जाएं। समय पर स्कूल लेने जरूर पहुंचें। 4. स्कूल को डर की तरह पेश न करें-ऐसे वाक्य न कहें- ‘टीचर से शिकायत करूंगी।’ ‘नहीं माने तो स्कूल भेज दूंगा।’ ‘टीचर डांटेंगी।’ स्कूल को सीखने, खेलने और दोस्त बनाने की जगह के रूप में प्रस्तुत करें। 5. टीचर के साथ मिलकर काम करें-बच्चे की क्लास टीचर से खुलकर बात करें। उनसे पूछें- ‘वह कब तक रोती है?’ ‘किस समय शांत होती है?’ इससे बच्चे एक्टिविटी में रुचि लेती है?’ क्या किसी बच्चे के साथ सहज महसूस करती है?’ घर और स्कूल का सहयोग बच्चे को जल्दी सहज बनाता है। 6. छोटी-छोटी

उचित है। अगर 4-6 हफ्ते बाद भी स्थिति में सुधार न हो। बच्चा स्कूल जाने से पूरी तरह इनकार करें। उसे बार-बार घबराहट या पैनिक जैसा महसूस हो। बच्चे के खानपान या नींद पर असर पड़े। घर से दूर होने पर बच्चा बहुत ज्यादा डरे। स्कूल में बुलिंग या अन्य समस्या का शक हो। अंतिम बात-याद रखें, स्कूल जाते हुए रोना हमेशा कमजोरी या जिद की निशानी नहीं है। यह अक्सर बच्चे के लिए एक बड़े बदलाव से जुड़ी स्वाभाविक भावनात्मक प्रतिक्रिया है। ऐसे में बच्चे को सबसे ज्यादा जरूरत डांट या दबाव की नहीं, बल्कि धैर्य, भरोसे और सहयोग की होती है। जब माता-पिता बच्चे की



एंजाइटी और बढ़ सकती है। पेरेंट्स क्या करें? ऐसी स्थिति में पेरेंट्स को बहुत समझदारी से काम लेना चाहिए। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें। 1. बच्चे की भावना को स्वीकार करें-उससे यह न कहें- ‘डरने की क्या बात है?’ ‘बड़े बच्चे नहीं रोते।’ ‘शर्म

सफलताओं की तारीफ करें-अगर बच्चा- बिना ज्यादा रोए स्कूल जाए। टीचर से खुलकर बात करें। स्कूल एक्टिविटी में शामिल हो। तो उसकी कोशिश की तारीफ करें। इससे बच्चे का मनोबल बढ़ता है। बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए ग्राफिक में दी गई कुछ बातों

भावनाओं को स्वीकार करते हैं, स्कूल के साथ मिलकर काम करते हैं तो अधिकांश बच्चे कुछ समय में आत्मविश्वास के साथ नए माहौल में घुलने-मिलने लगते हैं। यही अनुभव आगे चलकर उन्हें नई परिस्थितियों का सामना करने की ताकत भी देता है।

की कुल 10,000 करोड़ रुपए की संपत्ति में उनकी प्रोडक्शन कंपनी ‘रेड चिलीज एंटरटेनमेंट’ और आईपीएल टीम ‘नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स’ का बड़ा योगदान है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में उनकी संपत्ति में थोड़ी गिरावट आई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 में शाहरुख की नेटवर्थ



12,490 करोड़ रुपए दर्ज की गई थी। वहीं इस साल की शुरुआत में आई हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में उनकी कुल संपत्ति 10,800 करोड़ रुपए बताई गई थी। बिना बिजनेस के अमिताभ बच्चन की संपत्ति में उछाल-रिच लिस्ट में दूसरे नंबर पर मौजूद अमिताभ बच्चन की नेटवर्थ में पिछले साल के मुकाबले बड़ा सुधार देखा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमिताभ की संपत्ति पिछले साल के 1,630 करोड़ रुपए से बढ़कर इस साल 4,000 करोड़ रुपए हो गई है। शाहरुख खान की तरह अमिताभ बच्चन सीधे तौर पर कोई बड़ा बिजनेस नहीं चलाते हैं। वे अपने फैंमिली ऑफिस के जरिए से कई बड़ी कंपनियों और रियल एस्टेट सेक्टर में भारी इन्वेस्टमेंट्स करते हैं, जिससे

भी इस लिस्ट में शामिल हुए हैं। हुरुन की रिपोर्ट में नरेश मल्होत्रा की कुल संपत्ति 16,000 करोड़ रुपए बताई गई है। साल 2023 के बाद अब ‘किंग’ से बड़े पर्दे पर लौटेंगे शाहरुख-शाहरुख खान की आखिरी फिल्में साल 2023 में आई थीं, जब उन्होंने ‘पठान’, ‘जवान’ और ‘डंकी’ से बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड कमाई की थी। इसके बाद से उनकी कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई है। अब शाहरुख अपनी अगली फिल्म ‘किंग’ के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी की तैयारी कर रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। यह फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

अल्लू अर्जुन की फिल्म ‘राका’ ने बनाया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड, 37 लोगों का एक साथ रियल-टाइम मोशन कैप्चर किया

चेन्नई। साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन और डायरेक्टर एटली की फिल्म ‘राका’ ने रिलीज से पहले ही बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। फिल्म ने ‘मोस्ट पीपल मोशन-कैप्चर्ड इन रियल-टाइम’ के लिए आधिकारिक तौर पर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल किया है। एक सिंगल सेशन के दौरान एक साथ 37 कलाकारों के मोशन को रियल-टाइम में ट्रैक और कैप्चर किया गया। इस रिकॉर्ड प्रक्रिया में 4 साल के बच्चे से लेकर 70 साल के बुजुर्ग कलाकार तक शामिल थे। इस बड़े पैमाने के सेटअप को तैयार करने के लिए मेकर्स ने लॉस एंजिल्स से आधुनिक तकनीक और उपकरण मंगवाकर भारत में अपना बेस तैयार किया था। 92 मोशन कैप्चर कैमरों का किया गया इस्तेमाल-फिल्म के मोशन कैप्चर सेशन को पूरा करने के लिए 92 ऑप्टिकल मोशन-कैप्चर

कैमरों का इस्तेमाल किया गया। इसके साथ ही रियल-टाइम अनरियल विजुअलाइजेशन और एडवांस नेटवर्क सिस्टम को एक साथ सिंक किया गया था। सन प्रोड्यूसर कलानिधि मारन से बात की। प्रोड्यूसर की मंजूरी मिलने के बाद लॉस एंजिल्स से सभी जरूरी उपकरण भारत मंगाए गए और एक नया बेस स्थापित किया गया। इसके बाद फिल्म के वीएफएक्स प्रोड्यूसर ने ‘राका’ की जरूरतों के हिसाब से एक नया मोशन-कैप्चर पाइपलाइन और वर्कफ्लो तैयार किया। अल्लू अर्जुन बोले- विजन को हकीकत में बदलना बड़ी बात-इस उपलब्धि पर अल्लू अर्जुन ने कहा कि कई लोगों के पास विचार और विजन होता है, लेकिन उसे इस स्तर की क्वालिटी के साथ पूरा

स्टेशन मौजूद थे, लेकिन ‘राका’ के बड़े विजन के लिए ज्यादा कैपेसिटी वाले सेटअप की जरूरत थी। इसके लिए उन्होंने सन पिक्चर्स वे प्रोड्यूसर कलानिधि मारन से बात की। प्रोड्यूसर की मंजूरी मिलने के बाद लॉस एंजिल्स से सभी जरूरी उपकरण भारत मंगाए गए और एक नया बेस स्थापित किया गया। इसके बाद फिल्म के वीएफएक्स प्रोड्यूसर ने ‘राका’ की जरूरतों के हिसाब से एक नया मोशन-कैप्चर पाइपलाइन और वर्कफ्लो तैयार किया। अल्लू अर्जुन बोले- विजन को हकीकत में बदलना बड़ी बात-इस उपलब्धि पर अल्लू अर्जुन ने कहा कि कई लोगों के पास विचार और विजन होता है, लेकिन उसे इस स्तर की क्वालिटी के साथ पूरा

करना बड़ी बात है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय डायरेक्टर एटली, पूरी टैकिंगल टीम और इतने बड़े प्रोजेक्ट को सपोर्ट करने के लिए सन पिक्चर्स को दिया। फिल्म में 4 रोल निभा सकते हैं अल्लू अर्जुन-‘राका’ एक बड़े बजट की साईंस फिक्शन एक्शन ड्रामा फिल्म है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में अल्लू अर्जुन चार अलग-अलग किरदार निभाते नजर आ सकते हैं, जिनमें दादा, पिता और दो बेटों का रोल शामिल है। चर्चा यह भी है कि फिल्म की कहानी पैरैलल यूनिवर्स के कॉन्सेप्ट पर आधारित हो सकती है, हालांकि मेकर्स ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। फिल्म में दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना, जाह्नवी कपूर और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। अल्लू अर्जुन और एटली पहली बार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम कर रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक

डॉ. दीपक अरोरा

द्वारा रामा प्रिंटर्स

53/25/1 ए बेली रोड

न्यू कटरा प्रयागराज

(उ.प्र.) 211002 से

मुद्रित एवं सी-41यूपी

एसआईडीसी औद्योगिक

क्षेत्र नैनी प्रयागराज।

संपादक/प्रकाशक

डा. पुनीत अरोरा

मो.न.09415608710

RRINO.UPHIN/2015/63398

www.adhuniksaamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लायन एवं सम्पादन हेतु पी0आरबी0 एक्टर के अस्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।